हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 106 ● भिलाई, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शीतकाल के लिए बंद हुए केदार नाथ धाम के कपाट

केदारनाथ। पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए विधिवत बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के इस पावन और ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु कड़ाके की ठंड के बावजूद केदारपुरी पहुंचे हुए थे। कपाट बंद होने के तुरंत बाद सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों और 'जय बाबा केदार' के गगनभेदी जयकारों के बीच बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली अपने शीतकालीन प्रवास ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ के लिए रवाना हो गई। अब आगामी छह महीनों तक भक्त उखीमठ में ही बाबा केदार के दर्शन और पूजा-अर्चना कर सकेंगे। केदारनाथ धाम के मुख्य पुजारी गंगाधर लिंग महाराज ने बताया कि कपाट बंद करने की धार्मिक प्रक्रिया बुधवार तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही शुरू कर दी गई थी। सुबह सबसे पहले स्वयंभू शिवलिंग का भव्य महाअभिषेक किया गया, जिसके बाद विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई और प्रभु को भोग अर्पित किया गया। इसके उपरांत परंपरा के अनुसार भगवान शिव को समाधि रूप देते हुए भस्म, पुष्प और सूखे पत्तों से ढक दिया गया।

चलती ट्रेन से उतरते वक्त पायदान में फंसा महिला का पैर, 30 मीटर तक घिसटी

किशनगढ़ । राजस्थान के किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर सुबह उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक महिला का पैर कोच के पायदान और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। ट्रेन रफ्तार पकड़ने लगी और बेबस महिला करीब 30 मीटर तक पटरी और प्लेटफॉर्म के बीच घिसटती चली गई। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर मुस्तैद आरपीएफ के एक सतर्क जवान की नजर महिला पर पड़ गई। जवान ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए गार्ड को आपातकालीन लाल झंडी/इशारा कर ट्रेन रुकवाई और दौड़कर यात्रियों की मदद से महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना का पूरा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

किसानों को बड़ी राहत

कम धान उपजने पर भी 21 क्विंटल प्रति एकड़ का मिलेगा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी के बीच किसानों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार धान खरीदी की व्यवस्था में ऐसा बदलाव करने की तैयारी में है, जिससे कम उत्पादन होने पर भी किसानों को आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े। सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल की निर्धारित सीमा के अनुसार किसानों को पूरी आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था कर सकती है। इस संबंध में 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में होने वाले कार्यक्रम में बड़ी घोषणा की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इस व्यवस्था की अंतिम शर्तों और भुगतान के तरीके को लेकर सरकार की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। प्रदेश के कई इलाकों में मौसम की अनिश्चितता, सिंचाई की सीमित सुविधा और अन्य कारणों से किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान का उत्पादन नहीं मिल पाता। ऐसे में निर्धारित खरीदी सीमा तक धान बेचने के लिए कुछ किसान अतिरिक्त धान की व्यवस्था करने को मजबूर हो जाते थे। इससे बिचौलियों को भी फायदा पहुंचता था। नई व्यवस्था लागू होने पर किसानों को अपनी वास्तविक उपज के अनुसार धान बेचने की सुविधा मिलेगी और निर्धारित सीमा के शेष हिस्से पर भी आर्थिक सहायता मिलने का रास्ता खुल सकता है। धान खरीदी में फर्जी रकबे, दूसरे राज्यों से धान लाकर बेचने और उपार्जित धान की दोबारा बिक्री जैसी



शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। सरकार ने इस पर नियंत्रण के लिए पंजीयन, रकबा सत्यापन और खरीदी केंद्रों की निगरानी को सख्त किया है। सरकार की मंशा है कि खरीदी केंद्रों तक केवल वास्तविक किसानों की उपज पहुंचे। यदि कम उत्पादन वाले किसानों को भी निर्धारित सीमा के अनुरूप आर्थिक सहायता मिलती है, तो अतिरिक्त धान जुटाने के लिए बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में धान खरीदी का आंकड़ा लगातार बढ़ा है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 144.92 लाख मीट्रिक टन और 2024-25 में करीब 149 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ था। वहीं, वर्ष 2025-26 में खरीदी घटकर लगभग 141 लाख मीट्रिक टन रह गई। नई व्यवस्था और सख्त निगरानी के चलते चालू सीजन में वास्तविक धान खरीदी करीब 125 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। राज्य मंत्रिपरिषद ने खरीफ-2026 के लिए कृषक उन्नति योजना में संशोधन को मंजूरी दी है। इसके तहत धान पर मिलने वाली आदान सहायता राशि की व्यवस्था को प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ के आधार पर पुनर्गठित किया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य किसानों को उनकी जमीन और खेती की परिस्थितियों के अनुरूप आर्थिक सहायता देना है।

धान के समर्थन मूल्य में की 72 रुपये की बढ़ोतरी

केंद्र सरकार ने खरीफसीजन 2026-27 के लिए सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान का एमएसपी 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 72 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता जोड़कर किसानों को धान के लिए कुल 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भुगतान सुनिश्चित करने की व्यवस्था कर रही है। धान खरीदी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इस बार डिजिटल व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया है। एग्रीस्टेक आईडी से जुड़े पिछले वर्ष के पंजीकृत किसानों का पंजीयन मान्य किए जाने से उन्हें दोबारा पंजीयन की प्रक्रिया से राहत मिलेगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे के जरिए धान के वास्तविक रकबे का सत्यापन किया जा रहा है।

बीजेपी मुख्यालय में दिवाली मिलन समारोह

पीएम मोदी बोले-2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य नामुमकिन नहीं है.....

नई दिल्ली/एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह में पत्रकारों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया के बदलते स्वरूप, अपने राजनीतिक सफर और केंद्र सरकार के 25 वर्षों के अनुभवों को साझा किया। साथ ही पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विकसित भारत का सपना पूरा करना नामुमकिन नहीं है। पीएम मोदी ने 90 के दशक की शुरुआत का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय उन्हें देशभर में दो बड़ी यात्राओं की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी मिली थी। उन्होंने बताया कि उस दौर में प्रेस रिलीज भेजने के लिए भी फैक्स मशीन ढूंढनी पड़ती थी। उन्होंने अपने गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। पीएम ने बताया कि एक दिन दिल्ली स्थित 11 अशोक रोड के उनके कमरे में पत्रकारों का समूह पहुंचा और मिठाई खिलाने की मांग की। पत्रकारों ने उन्हें बताया कि वह गुजरात के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। बाद में यह खबर सही साबित हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रमुख के रूप में उनके 25 साल पूरे हो चुके हैं। इस दौरान देश, दुनिया और राजनीति करने का तरीका काफी बदल गया है। टेक्नोलॉजी के विकास ने मीडिया का स्वरूप भी पूरी तरह बदल दिया है।

सोनिया गांधी के बयान पर भड़के अनिल विज, कहा- इटली के संविधान में विदेशी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर प्रहार करते हुए कहा कि सोनिया गांधी बिल्कुल गलत कह रही है क्योंकि हम अपने देश में दूसरे देश के नागरिकों को वही अधिकार देते हैं जो हमारे नागरिकों को उनके देश में अधिकार दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इटली में उनके संविधान के सेक्शन 84 के तहत कोई भी गैर प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति नहीं बन सकता है। इसी प्रकार, हम भी सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बना सकते थे जबकि वह प्रधानमंत्री बनने के लिए तत्पर थी और इस कारण से उनको नहीं बनाया गया।

सियासी गलियारों में हलचल मचा दी

वह कुशल वक्ता,मेहनती इंसान हैं पित्रोदा ने पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली/एजेंसी



इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना करते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है. सैम पित्रोदा ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक अच्छा वक्ता करार दिया है. पित्रोदा ने पीएम मोदी को एक बेहतरीन वक्ता होने के साथ-साथ अत्यंत मिलनसार, दयालु, स्नेही और दूसरों की परवाह करने वाला व्यक्ति करार दिया है. इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ कर सबको सकते में डाल दिया है. उनका यह बयान लोगों को चौंका दिया है. इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'कुशल वक्ता' और 'मेहनती इंसान' बताया है. पित्रोदा ने कहा कि हमारे बीच कोई व्यक्तिगत मतभेद नहीं हैं. एक गुजराती नेता, मित्र और शुभचिंतक के रूप में, मुझे पीएम मोदी से कोई शिकायत नहीं है. बता दें कि सैम पित्रोदा का यह चौंकाने वाला बयान उस सवाल के जवाब में आई, जिसमें कांग्रेस संसदीय दलकी अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा कभी प्रधानमंत्री मोदी को एक बड़ा वक्ता बताए जाने का जिक्र था. दरअसल, राहुल गांधी के अमेरिकी दौरे को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधा था.राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के 'विदेशी हस्तक्षेप' के दावों को पित्रोदा ने 'घिसा-पिटा राजनीतिक हौवा करार दिया था.

चार दिन चलेगी सदन की कार्यवाही

14 दिसंबर से शुरू होगा विधानसभा का 17वां सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ की छठवीं विधानसभा के 17वें सत्र की तारीखों का ऐलान हो गया है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विधानसभा का आगामी सत्र 14 दिसंबर 2026, सोमवार से शुरू होकर 17 दिसंबर 2026, गुरुवार तक चलेगा। इस दौरान सदन की कुल चार बैठकें आयोजित की जाएंगी। विधानसभा सचिवालय के मुताबिक, चार दिवसीय इस सत्र में वित्तीय कार्यों के साथ अन्य शासकीय कार्य भी संपादित किए जाएंगे। इस दौरान सरकार के वित्तीय कामकाज और विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण विषय



सदन के सामने रखे जाएंगे। विधानसभा सत्र के दौरान सत्ता पक्ष जहां सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और विभागीय कामकाज से जुड़े विषयों को सदन में रखेगा, वहीं विपक्ष को भी सरकार से सवाल पूछने और विभिन्न मुद्दों पर जवाब मांगने का अवसर मिलेगा।

कन्नौज में भीषण सड़क हादसा- अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन युवकों की मौत, एक घायल

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कचाटीपुर गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि चारों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चौथा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक जब कचाटीपुर के पास से गुजर रही थी, तभी अचानक एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया

पटवारियों की हड़ताल के बीच प्रशासन का बड़ा एक्शन,तीन निलंबित और 57 का वेतन रोका...

रायपुर/ संवाददाता

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। राजस्व कार्यों में लापरवाही, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा नहीं करने के मामलों में तीन पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, हड़ताल में शामिल जिले के 57 पटवारियों का अक्टूबर माह का वेतन आहरण नहीं किया गया है। दूसरी ओर, गंडई, छुईखदान और साल्हेवारा तहसीलों के हड़ताली पटवारियों को जारी अंतिम कारण बताओ नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि शासकीय कार्यों से विरत रहने और आदेशों की अवहेलना जारी रहने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। गंभीर मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सेवा से पृथक करने तक की कार्रवाई हो सकती है। प्रशासन के मुताबिक, संबंधित पटवारी 13 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इसके चलते डिजिटल क्रॉप सर्वे, गिरदावरी, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना, नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं। खासकर आगामी धान खरीदी को देखते हुए फसल संबंधी अभिलेखों का सत्यापन और डिजिटल क्रॉप सर्वे का अनुमोदन समय पर पूरा होना जरूरी है। प्रशासन का कहना है कि काम लंबित रहने से किसानों और आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। हड़ताली पटवारियों को 30 अक्टूबर को जारी अंतिम नोटिस में पहले दिए गए 16 अक्टूबर के निर्देशों का हवाला देते हुए 2 नवंबर को सुबह 10 बजे तक निर्धारित कार्यस्थल पर उपस्थित होकर काम संभालने का निर्देश दिया गया था। साथ ही संबंधित तहसीलदार को सूचना देकर लंबित कार्यों का तत्काल निराकरण करने को कहा गया था। निर्धारित समय पर काम पर नहीं लौटने की स्थिति में अनुपस्थिति को नियमानुसार अनधिकृत मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रकरण सक्षम प्राधिकारी को भेजने की चेतावनी दी गई थी। नोटिस में 'काम नहीं तो वेतन नहीं' के सिद्धांत पर कार्रवाई का भी उल्लेख है। इधर, तीन पटवारियों पर हुई निलंबन की कार्रवाई में खैरागढ़ तहसील के हल्का नंबर 35 और

महादेव ऐप केस

सट्टा किंग भेजा गया जेल-सौरभ चंद्राकर को दिल्ली से लाकर कोर्ट में किया गया पेश, अब 19 नवंबर तक जेल में रहेगा.....

रायपुर। संवाददाता

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में बड़ी खबर सामने आई है। इस मामले के प्रमुख आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 19 नवंबर तक न्यायिक रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद सौरभ चंद्राकर को कड़ी सुरक्षा के बीच सेंट्रल जेल भेज दिया गया। वहीं, पूछताछ के लिए ईडी की ओर से मांगी गई रिमांड को अदालत ने मंजूरी नहीं दी। मिली जानकारी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर को सीबीआई की टीम अपने कार्यालय से लेकर रायपुर की विशेष अदालत पहुंची थी। इससे पहले सीबीआई ने अदालत से मिली 8 दिनों की रिमांड पर उससे पूछताछ की थी। रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद आज उसे दोबारा कोर्ट में पेश किया गया। बताया जा रहा है कि,सीबीआई आगे की पूछताछ के लिए एक बार फिर रिमांड की मांग कर सकती है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय ने भी सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के लिए अदालत में



रिमांड की मांग रखी थी, लेकिन फिलहाल श्वष्ट को इसमें सफलता नहीं मिली। अदालत के आदेश के बाद सौरभ चंद्राकर को 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। अब इस हाईप्रोफाइल मामले में आगे की जांच और दोनों केंद्रीय एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। सीबीआई मुख्यालय में आठ दिनों तक चली पूछताछ के दौरान सौरभ चंद्राकर से जुड़े कई अहम खुलासों की जानकारी सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पूछताछ में सौरभ ने महादेव ऐप के कथित लाइजनिंग नेटवर्क से अपनी भूमिका अलग बताई है। बताया जा रहा है कि, उसने लाइजनिंग का काम रवि उप्पल के जिम्मे होने की बात कही। वहीं, सौरभ ने कथित तौर पर पैनल ऑपरेशन और हवाला के जरिए होने वाले वित्तीय लेन-देन से जुड़े कामकाज की जिम्मेदारी संभालने की बात स्वीकार की है। हालांकि, इन दावों और पूछताछ में सामने आए बयानों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सीबीआई की पूछताछ में शुभम सोनी का कथित वीडियो भी चर्चा का विषय रहा। इस वीडियो में शुभम सोनी ने दावा किया था कि सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल उसके अधीन काम करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीबीआई ने इसी वीडियो का हवाला देते हुए सौरभ से सवाल-जवाब किए। बताया जा रहा है कि वीडियो में किए गए दावों को लेकर पूछे गए।

गोली मारकर की गई हत्या

किश्तवाड़ में लापता दोनों एसपीओ के मिले शव.....



जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के मारवाह स्थित देहरना जंगल में लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर के शव बरामद किए गए हैं। दोनों जवानों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो पुलिस जवानों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। दोनों जवान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का हिस्सा थे और ड्यूटी के दौरान लापता हो गए थे। सूत्रों के मुताबिक, मारवाह के देहरना जंगल इलाके में दोनों के शव बरामद हुए हैं। उनके शरीर पर गोलियों के निशान मिलने की बात सामने आई है। मृत जवानों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है। दोनों कियार दच्छन से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की टीम को रिलीव करने जा रहे थे।

CMYK

मेडिकल कॉलेज निर्माण की रफ्तार पर मंत्री की नजर, गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण, मेडिकल कॉलेज की प्रगति का लिया जायजा

मनेंद्रगढ़। मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मंगलवार को जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ पहुंचकर क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 220 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल सहित परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मंत्री ने अधिकारियों, इंजीनियरों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा की विस्तृत जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सबसे पहले मनेंद्रगढ़ स्थित 220 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल पहुंचकर वहां चल रहे कार्यों एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद वे परसगढ़ी स्थित निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों, शेष निर्माण कार्यों तथा उन्हें पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने



अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के सभी मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आपसी समन्वय बनाकर कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगी नई दिशा-मंत्री जायसवाल ने कहा कि परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन निर्माण परियोजना नहीं है, बल्कि यह पूरे एमसीबी जिले और आसपास के क्षेत्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जाए और जहां भी किसी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या आ रही है, उसका तत्काल समाधान किया जाए।

चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगी नई दिशा

मंत्री जायसवाल ने कहा कि परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन निर्माण परियोजना नहीं है, बल्कि यह पूरे एमसीबी जिले और आसपास के क्षेत्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जाए और जहां भी किसी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या आ रही है, उसका तत्काल समाधान किया जाए। निरीक्षण के दौरान सीजीएमएससी छत्तीसगढ़ के एमडी रुपेश अग्रवाल सहित प्रशासनिक अधिकारी, विभागीय अधिकारी, इंजीनियर एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का कथन

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और उन्हें बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इससे आने वाले समय में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा मिलने के साथ आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप और तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द से जल्द इन विकास कार्यों का लाभ मिल सके।

गौरव पथ निर्माण की धीमी गति से नगरवासी परेशान, रोजाना लग रहा

बिलाईगढ़। नगर पंचायत बिलाईगढ़ में गौरव पथ निर्माण कार्य की धीमी गति अब नगरवासियों और राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। लंबे समय से चल रहे निर्माण कार्य के अब तक पूरा नहीं होने से लोगों को प्रतिदिन आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों को अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर गौरव पथ का निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा और उन्हें कब तक बेहतर एवं सुगम सड़क की सुविधा मिल पाएगी। निर्माण कार्य की स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि काम काफी सुस्त गति से चल रहा है। वहीं, निर्माण स्थल पर सड़क निर्माण की जानकारी देने वाला सूचना बोर्ड भी कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में लोगों को यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि सड़क का निर्माण कहां से कहां



गौरव पथ का निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा

तक किया जाना है और कार्य पूर्ण होने की निर्धारित समय-सीमा क्या है। गौरतलब है कि बारिश के दौरान भी नगरवासियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। बारिश थमने के बाद निर्माण कार्य दोबारा शुरू तो किया गया, लेकिन इसकी गति में अपेक्षित तेजी नजर नहीं आ रही है। सड़क के कुछ हिस्सों में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि बीच में डीवाडर के लिए छोड़ी गई जगह में रोज गाड़ी फंस जा रहे है। निकाने के दौरान गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती है। आसपास से लोगों को आवागमन करने में काफी दिक्कत हो रही है।

नगर में ग्रामीणों एवं नगरवासियों की लगातार आवाजाही बनी रहती है। सड़क निर्माण के चलते मार्ग संकरा होने से आए दिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है।

15 नवम्बर से सभी उपार्जन केंद्रों मे धान खरीदी की पूरी तैयारी हो : कलेक्टर

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने 15 नवम्बर से शुरू हो रहे धान खरीदी महाभियान अंतर्गत जिले के उपार्जन केंद्रों मे खरीदी की तैयारी के सम्बन्ध मे अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों मे 15 नवम्बर से धान खरीदी की आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि सभी उपार्जन केन्द्र के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए है। सबंधित नोडल अधिकारी अपने उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर खरीदी की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। आर्द्रतामापी यन्त्र एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन का उचित कैलिब्रेशन, माइक्रो एटीएम सक्रिय,किसानों के लिये पेयजल और शौचालय की व्यवस्था हो। इसके साथ ही सभी केंद्रों मे नये व पुराने बारदाने पहुंच जाए।उन्होंने



कहा कि नये प्राधिकृत अधिकारियो के लिये प्रशिक्षण की तत्काल व्यवस्था करें। उन्होंने बताया कि पीव्ही एप्प मे रकबा सत्यापन अब 15 नवम्बर तक बढ़ा दी गई है। अब बढ़े हुए समय सीमा मे सत्यापन एवं अन्य त्रुटियों का सुधार करें। बताया गया कि 10 नवम्बर से शुरु हुए तुंहर टोकन एप्प के माध्यम से अब तक 61 उपार्जन केंद्रों मे धान बेचने किसानों ने 153 टोकन बुक करा लिया है। इस बार 70 प्रतिशत टोकन ऑनलाइन एवं 30 प्रतिशत समिति के माध्यम से बुक किये जाएंगे। इससे किसानों को घर बैठे टोकन लेने मे अधिक सुविधा मिलेगी।

टेमर में योग शिक्षकों का किया गया सम्मान

योग करें निरोग रहे : रेवती पटेल



सक्ती। सक्ती ग्राम पंचायत टेमर के भांठा पारा में हरिद्वार से प्रशिक्षित होकर आए योग शिक्षक भेखराम यादव, दीपक पटेल, सूरज पटेल एवं भानू कुम्भकार का मां काली मंच भाठापारा में स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता के प्रथम चंचल पटेल द्वितीय स्नेहा पटेल एवं तृतीय पुरुस्कार देवाशीष पटेल को भी पुरस्कृत किया गया साथ ही माँ काली पूजन समिति के साथ समस्त बहनों को आयोजकों द्वारा शील्ड और सहयोग राशि से सम्मानित किया गया। योग शिक्षक गोरे लाल पटेल इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजन रहे और इन्ही के मार्गदर्शन में आज ग्राम टेमर में योग का विधिवत संचालन विगत एक वर्ष से जारी है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेजराम सेन जो स्वयं योगाचार्य है उन्होंने योग के विभिन्न फायदे एवं योग करने की विधियों और महत्व पर उद्बोधन देते हुए योग प्राणायाम का संक्षिप्त प्रशिक्षण भी दिए।

सड़क पर बने गहरे गड्ढे ने ली युवक की जान, भड़का जनआक्रोश

बलौदाबाजार। जिला मुख्यालय में सड़क पर बने गहरे गड्ढे ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं। इंद्रा कॉलोनी के पास जल संसाधन विभाग की नहर से लगी सड़क पर बने गहरे गड्ढे के कारण मंगलवार की दरम्यानी रात एक युवक की दुर्घटना में मौत हो गई। घटना के बाद शहर में प्रशासनिक लापरवाही और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है। मृतक के परिजनों और परिचितों ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज करने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 12:30 बजे मृतक इंद्रा कॉलोनी के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर बने गहरे गड्ढे के कारण हादसा हो गया, जिसमें उसकी जान चली गई। बताया जा रहा है कि यह सड़क जल संसाधन विभाग की नहर नाली से लगी हुई है।

दीपों की रोशनी से जगमगाया मुरता, रामसागर तट पर हुई इक्कीस हजार दीपो से महाआरती

बेमेतरा। 21,111 दीपों से रोशन हुआ मंदिर परिसर, रामसागर तट पर हुई भव्य गंगा महाआरती, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल ग्राम मुरता में गोवर्धन पूजा के अवसर पर आस्था और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिला। मंगलवार, 10 नवंबर को भुईंफोड़ मां मावली मंदिर परिसर में आयोजित भव्य दीपोत्सव में एक साथ 21,111 दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठा। वहीं रामसागर तालाब के तट पर भव्य गंगा महाआरती का आयोजन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में मुरता सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

शंख-घंटी और जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर-कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान चालीसा पाठ से हुआ। इसके पश्चात मुख्य पुजारी दिनेश चौबे, देवेंद्र पांडे एवं कान्हा चौबे के सानिध्य में मां मावली की विधिवत पूजा-अर्चना की गई।



जैसे ही महाआरती शुरू हुई, पूरा मंदिर परिसर शंख की मंगल ध्वनि, घंटी-घंटे की गूंज और जय मां मावली के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं के हाथों में आरती की थालियां सज गईं।

रामसागर तट पर हुई भव्य गंगा महाआरती

वहीं रामसागर तालाब के तट पर आयोजित गंगा महाआरती में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से मां गंगा की आराधना की। पुजारियों ने बड़े-बड़े दीपों से महाआरती की, तो तालाब के जल में दीपों का प्रतिबिंब और भी सुंदर लगने लगा। शंख-घंटी की ध्वनि, भक्ति की ताली और आरती की थालियों की झंकार से पूरा तट भक्तिमय बना रहा।मुरता में पिछले छह वर्षों से लगातार दीप महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष गोवर्धन पूजा के बाद भुईंफोड़ मां मावली मंदिर और रामसागर तालाब तट पर होने वाले इस आयोजन में मुरता सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। खास बात यह है कि यह आयोजन ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग और सहभागिता से संपन्न होता है। समय के साथ दीपोत्सव मुरता की धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक बन गया है। इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

कलेक्टर ने बड़े सीपत, नगझर, चारपारा एवं कुरदा धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

सक्ती। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जयश्री जैन ने आज जिले के बड़े सीपत, नगझर, चारपारा एवं कुरदा धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर धान खरीदी की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, जनरेटर एवं इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता की जानकारी ली।

उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन,



बायोमेट्रिक डिवाइस एवं आद्रतामापी यंत्र की उपलब्धता और उनके कैलिब्रेशन की स्थिति की भी जांच की। इसके साथ ही नए पीडीएस एवं पुराने बारदानों की उपलब्धता, बारदानों की सिलाई व्यवस्था, तिरपाल, रंग एवं सुतली तथा धान की गुणवत्ता जांच के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में आवश्यक्ताओ के अनुरूप कर्मचारियों एवं हमालों की उपलब्धता, फड़ में धान भंडारण के लिए पर्याप्त जगह, चबूतरों की स्थिति, किसानों के लिए पेयजल, शौचालय एवं प्राथमिक उपचार पेटी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समर्थन मूल्य के प्रदर्शन, निगरानी समिति की नियुक्ति तथा सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए है। कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने कहा कि खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होनी है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी धान खरीदी केंद्रों में शासन द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा खरीदी कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर नवीन भगत सहित धान खरीदी कार्य से जुड़े संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धान की गुणवत्ता जांच के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा

नए पीडीएस एवं पुराने बारदानों की उपलब्धता, बारदानों की सिलाई व्यवस्था, तिरपाल, रंग एवं सुतली तथा धान की गुणवत्ता जांच के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कर्मचारियों एवं हमालों की उपलब्धता, फड़ में धान भंडारण के लिए पर्याप्त जगह, चबूतरों की स्थिति, किसानों के लिए पेयजल, शौचालय एवं प्राथमिक उपचार पेटी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समर्थन मूल्य के प्रदर्शन, निगरानी समिति की नियुक्ति तथा सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली है। उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए है।

खबरें



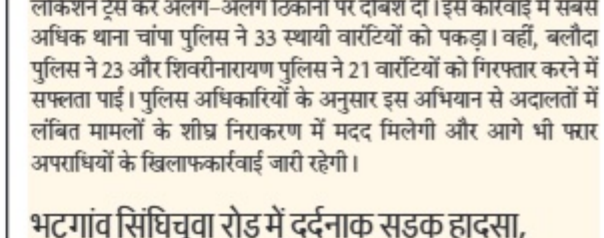
'ऑपरेशन बाज' के तहत एक माह में 141 स्थायी वारंटी गिरफ्तार, चांपा में सबसे ज्यादा कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन बाज' के तहत जांजगीर-चांपा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के विभिन्न थाना और चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने एक माह के भीतर 141 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफजारी वारंटों की विधिवत तामीली की है। सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग के निर्देश पर लंबित स्थायी वारंटों के निराकरण के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. यूलैण्डन यार्क के मार्गदर्शन में 07 अक्टूबर से 07 नवंबर तक जिलेभर में सघन कार्रवाई की गई। इसके लिए सभी थाना व चौकी प्रभारियों को स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र की मदद से फरार आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी। इस कार्रवाई में सबसे अधिक थाना चांपा पुलिस ने 33 स्थायी वारंटियों को पकड़ा। वहीं, बलौदा पुलिस ने 23 और शिवरीनारायण पुलिस ने 21 वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस अभियान से अदालतों में लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण में मदद मिलेगी और आगे भी फरार अपराधियों के खिलाफकार्रवाई जारी रहेगी।

भटगांव सिंघिचूवा रोड में दर्दनाक सड़क हादसा, मिक्सर मशीन पलटने से मजदूर की दबकर मौत

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव में तड़के सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। सिंघिचुआ मार्ग पर एक मिक्सर मशीन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मिक्सर मशीन सड़क किनारे पलट गई और लोहे के खम्बे भी मुड़ गई. हादसे में मशीन में सवार एक मजदूर की दबकर मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भोला साहू के रूप में हुई है, जो नकटीडीह गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, भोला साहू मिक्सर मशीन में सवार होकर ढलाई कार्य के लिए जा रहे थे, तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद मिक्सर मशीन में सवार अन्य मजदूर और चालक मौके पर मौजूद नहीं मिले। हालांकि, वे घायल हुए हैं या सुरक्षित हैं, इसकी फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।





नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में बीएसपी के कर्मचारियों का शानदार प्रदर्शन, सात पुरस्कार किए अपने नाम

सेल। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के सात कर्मचारियों ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 36वीं नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन प्रथम, तीन द्वितीय एवं एक तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर संयंत्र को गौरवान्वित किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सभी विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी एवं संयंत्र के सभी कार्यपालक निदेशकगण ने विजेता कर्मचारियों को उनकी शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी तकनीकी दक्षता, कठिन परिश्रम, समर्पण एवं निरंतर सीखने की ललक का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कर्मचारियों की सफलता संयंत्र के अन्य कार्मिकों को भी अपने कौशल को निखारने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।



फोटोकॉपी दुकान में नकबजनी करने वाला आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल व नकदी बरामद

जांजगीर-चांपा। अकलतरा नगर के अधियारीपाठ स्थित एक फोटोकॉपी दुकान में हुई नकबजनी का खुलासा करते हुए पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी गया मोबाइल हैंडसेट, सिक्कों सहित नकदी और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, अधियारीपाठ निवासी प्रार्थी भोलामणी चक्रधारी 7 नवंबर की रात अपनी फोटोकॉपी दुकान बंद कर घर गए थे। अगली सुबह दुकान खोलने पर सामान बिखरा मिला और गल्ले से लगभग 30 हजार रुपये नकद व सिक्के तथा एक रेडमी नोट 9 प्रो मोबाइल गायब था। आरोपी ने पहचान छिपाने की नीयत से दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अकलतरा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज के तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर की सूचना पर यादव मोहल्ला निवासी प्रभात उर्फ भोलू यादव (22 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने घर के ठीक सामने स्थित दुकान में पीछे के रास्ते से घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से चोरी गया मोबाइल, 3,403 रुपये नकद व सिक्के तथा घटना में प्रयुक्त स्टील का चाकू जब्त कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल दाखिल करा दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से पुष्पा महंत को मिली बड़ी राहत

रायपुर। शासन की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए बिजली खर्च में राहत और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का प्रभावी माध्यम बन रही है। रायगढ़ के चक्रधर नगर निवासी पुष्पा महंत ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर में 3.5 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। इसका सीधा फायदा उनके बिजली बिल पर देखने को मिल रहा है। पहले की तुलना में उनका बिजली बिल लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गया है। इससे घरेलू बजट को राहत मिलने के साथ सौर ऊर्जा के प्रति उनका भरोसा भी बढ़ा है। पुष्पा महंत ने बताया कि पहले हर महीने आने वाला बिजली बिल घरेलू बजट को प्रभावित करता था, लेकिन घर में सोलर सिस्टम लगने के बाद बिजली खर्च में काफी कमी आई है। अब बिजली बिल लगभग आधा रह गया है। इस बचत से उत्साहित होकर वे आने वाले समय में 3 किलोवाट क्षमता का एक और सोलर प्लांट लगाने की योजना बना रही हैं। सोलर सिस्टम की एक और खासियत यह है कि इसकी निगरानी मोबाइल फोन के माध्यम से की जा सकती है। पुष्पा महंत ने बताया कि मोबाइल पर ही सुबह से शाम तक उत्पादित बिजली यूनिट और घर में हुई कुल बिजली खपत की जानकारी मिल जाती है। इससे बिजली उत्पादन और उपयोग का हिसाब रखना आसान हो गया है। योजना से मिले लाभ से खुश होकर पुष्पा महंत ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम परिवारों को बिजली खर्च में राहत देने और सौर ऊर्जा अपनाने का बेहतर अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने अन्य लोगों से भी अपने घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगवाकर स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और बिजली बिल में बचत करने की अपील की।

विष्णु की पाती' से सोनकुमारी को मिला प्रोत्साहन, मिट्टी के हुनर को मिला सम्मान

रायपुर। सूरजपुर जिला के ग्राम केशवनगर की श्रीमती सोनकुमारी प्रजापति अपने हुनर और मेहनत से पारंपरिक मिट्टी कला को आजीविका का माध्यम बना रही हैं। वे मिट्टी से दीये, गुल्लक और मटके तैयार करती हैं। महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर वे आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उनके प्रयासों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की 'विष्णु की पाती' पहल के माध्यम से सराहना और प्रोत्साहन मिला है। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती सोनकुमारी को पत्र लिखकर उनके कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें इसी लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री का पत्र पाकर श्रीमती सोनकुमारी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मुख्यमंत्री उन्हें व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखेंगे। यह उनके लिए खुशी और गर्व का क्षण है। श्रीमती सोनकुमारी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रोत्साहन उन्हें अपना काम और बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी उन्हें मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलता रहेगा, जिससे उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ सके। 'विष्णु की पाती' के माध्यम से मुख्यमंत्री प्रदेश के नागरिकों से आत्मीय संवाद कर रहे हैं। यह पहल श्रीमती सोनकुमारी जैसी महिलाओं के हुनर, परिश्रम और उपलब्धियों को पहचान देने के साथ उन्हें अपने प्रयास जारी रखने का हौसला भी दे रही है।

सेवा सेतु से आसान हुआ विवाह प्रमाण पत्र बनवाना,गनपत और हंसलेखा को मिली सुविधा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु केंद्र प्रणाली के माध्यम से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल एवं सुलभ तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले में संचालित सेवा सेतु केंद्रों में आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने एवं आवेदन संबंधी कार्यों में सहायता दी जा रही है। इसी क्रम में छुईखदान तहसील स्थित सेवा सेतु केंद्र से श्री गनपत धुर्वे और उनकी पत्नी श्रीमती हंसलेखा धुर्वे को विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। ग्राम ठाकुरटोला निवासी श्री गनपत धुर्वे, पिता श्री अंकलहू धुर्वे एवं ग्राम भडेरा नवागांव निवासी श्रीमती हंसलेखा धुर्वे, पिता श्री बृजलाल सोरी का विवाह 27 मार्च 2026 को हुआ था। विवाह के बाद विभिन्न शासकीय कार्यों एवं व्यक्तिगत दस्तावेजों से जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए उन्हें विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। उन्होंने तहसील कार्यालय छुईखदान स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया। संबंधित अधिकारियों ने आवेदन की जांच की और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया। निर्धारित औपचारिकताएं पूरी होने के बाद श्रीमती हंसलेखा धुर्वे को मौके पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से दंपती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं प्रशासन का आभार जताया। जनता के द्वार, डिजिटल सरकार की भावना के अनुरूप जिले के सेवा सेतु केंद्रों में नागरिकों को आवेदन भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त करने और प्रमाण पत्र बनवाने में सहायता मिल रही है। स्थानीय स्तर पर इन सुविधाओं की उपलब्धता से ग्रामीणों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान हो रही है। विवाह प्रमाण पत्र मिलने से अब गनपत और हंसलेखा को भी अपने शासकीय एवं व्यक्तिगत दस्तावेजों से जुड़े कार्य पूरे करने में सुविधा होगी।

घर तक पानी पहुंचा तो बदली जिंदगी, अब परिवार के लिए ज्यादा वक्त

रायपुर। पानी के इंतजाम में बीतने वाला वक्त अब परिवार के काम आ रहा है। जल जीवन मिशन के तहत घरों तक नल से पानी पहुंचने से ग्रामीण महिलाओं की रोजमर्रा की मुश्किलें कम हो रही हैं। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम तिलगी की श्रीमती पार्वती चौधरी इसका उदाहरण हैं। पहले खाना बनाने, बर्तन-कपड़े धोने और साफ-सफाई के लिए पानी जुटाने में उनका काफी समय और मेहनत खर्च होती थी। कई बार दूसरे जरूरी काम पीछे छूट जाते थे। गर्मियों में परेशानी और बढ़ जाती थी। अब घर में नल से पानी मिलने के कारण पानी जुटाने की भागदौड़ कम हुई है। घरेलू काम आसान हुए हैं और बच्चों की देखभाल तथा परिवार की दूसरी जरूरतों के लिए ज्यादा वक्त मिल रहा है। पार्वती के लिए घर में लगा नल केवल पानी की सुविधा नहीं, रोज की एक बड़ी चिंता से राहत है। पार्वती की कहानी ग्रामीण महिलाओं के जीवन में पानी की उपलब्धता के महत्व को सामने लाती है। जिन घरों में नल खोलते ही पानी मिल जाता है, वहां यह सामान्य सुविधा लग सकती है। लेकिन जिन महिलाओं को रोज परिवार की जरूरतों के लिए पानी जुटाना पड़ता है, उनके लिए घर तक पानी पहुंचना बड़ा बदलाव है।

बिना बिजली और डीजल के खेतों तक पहुंचेगा सिंचाई का पानी

मुख्यमंत्री ने पोंगरो एनीकट हाइड्रो पावर पम्पिंग योजना का किया निरीक्षण

- आधुनिक विज्ञान और स्थानीय संसाधनों के समन्वय से किसानों की समृद्धि का नया रास्ता : मुख्यमंत्री श्री साय
- पर्यावरण अनुकूल सिंचाई का यह मॉडल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी होगा उपयोगी : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पोंगरो में घुघरी नदी पर निर्मित एनीकट हाइड्रो पावर आधारित पम्पिंग योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने योजना की कार्यप्रणाली, सिंचाई क्षमता और किसानों को मिलने वाले लाभों की जानकारी ली। सरगुजा संभाग की अपनी तरह की इस पहली नवाचारी सिंचाई परियोजना की विशेषता यह है कि इसमें बिजली, डीजल, पेट्रोल अथवा सौर ऊर्जा का उपयोग किए बिना केवल नदी के जल प्रवाह से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेती की समृद्धि के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पोंगरो की यह परियोजना इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि आधुनिक विज्ञान और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग से किसानों की समस्याओं का स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से किसानों को सिंचाई के लिए बिजली और डीजल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। यह अभिनव पहल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी सिंचाई



सुविधाओं के विस्तार के लिए एक प्रेरक मॉडल बन सकती है। पोंगरो एनीकट हाइड्रो पावर पम्पिंग योजना में नदी के बहते पानी की ऊर्जा से टरबाइन पम्प संचालित किया जाता है। इसके लिए पूर्व निर्मित एनीकट से लगभग 100 मीटर डाउनस्ट्रीम में प्लेटफॉर्म तैयार कर टरबाइन पम्प स्थापित किया गया है। यह पम्प नदी तल से लगभग 12 मीटर ऊंचाई पर स्थित तथा 200 मीटर दूर निर्मित वितरण टंकी तक अधिकतम 17 लीटर प्रति सेकंड की दर से पानी पहुंचाने में सक्षम है। वितरण टंकी से पक्की सिंचाई नहरों एवं नालियों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पम्प संचालन के लिए किसी बाहरी ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं है। इससे सिंचाई व्यवस्था के संचालन में पारंपरिक ईंधन की खपत और उससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन से बचा जा सकेगा। यह परियोजना हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। लगभग 2 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत से पूर्ण की गई इस परियोजना से क्षेत्र के करीब 135 कृषक परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। योजना के माध्यम से लगभग 80 एकड़ कृषि क्षेत्र में रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे किसानों को वर्षा आधारित खेती पर निर्भरता कम करने, अतिरिक्त फसल लेने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों को वर्षभर खेती के अवसर उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। पोंगरो की यह पहल दर्शाती है कि नवाचार को गांवों और खेतों तक पहुंचाकर कृषि विकास को नई गति दी जा सकती है। हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई का दायरा विस्तृत करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बच्चों की मुस्कान के बीच मनाया मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जन्मदिन

रायपुर/ संवाददाता

जन्मदिन की खुशियां अपनों के बीच मनाई जाती हैं, लेकिन जब इन खुशियों में बच्चों की मुस्कान जुड़ जाए तो वह दिन और भी खास बन जाता है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन सूरजपुर जिला के ग्राम लटोरी के नवापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ मनाया। न्योता भोज के इस आत्मीय आयोजन में उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ पंगत में बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी मौजूद रहे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते ही बच्चों ने एक स्वर



में हैप्पी बर्थडे टू यू गाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। बच्चों के इस स्नेहपूर्ण स्वागत से आयोजन में अपनत्व और उल्लास घुल गया। मंत्री ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें अपनी बातें साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने पूरे उत्साह से अपना परिचय दिया। बातचीत के दौरान बच्चों ने मछली जल की रानी है, आलू कचालू और तितली रानी जैसी बाल कविताएं सुनाईं। नन्हे बच्चों की प्यारी प्रस्तुतियों पर मंत्री ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। जब उन्होंने पूछा कि आंगनबाड़ी में रोज कौन-कौन आता है, तो बच्चों ने मुस्कुराते हुए हाथ उठाकर जवाब दिया। उनकी सहजता और आत्मविश्वास ने वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों के साथ संवाद में मंत्री ने स्वच्छता की अच्छी आदतों पर भी बात की। उन्होंने पूछा कि चॉकलेट खाने के बाद उसका रैपर कहां डालना चाहिए। बच्चों ने एक साथ कहा डस्टबिन में। मंत्री ने उनकी सराहना की और आसपास साफ-सफाई रखने की सीख दी। न्योता भोज में बच्चों के लिए चावल, दाल, खीर, पूड़ी, छोला और मुनगा भाजी सहित कई व्यंजन परोसे गए।

महतारी वंदन योजना से सीमा चौहान को मिला आर्थिक संबल, आसान हुई परिवार की जरूरतें

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है। योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि से महिलाएं अपने परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। रायगढ़ जिले के ग्राम ननसिया की रहने वाली सीमा चौहान के लिए भी यह योजना काफी मददगार साबित हो रही है।सीमा चौहान ने बताया कि हर महीने मिलने वाली राशि से घर के जरूरी सामान और बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। इस आर्थिक सहायता से काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि इस महीने दीपावली त्योहार से पहले खाते में मिली राशि से घर की पुताई कराई



और बच्चों के लिए मिठाइयां व पूजा की सामग्री खरीदी। सीमा चौहान ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि योजना से मिलने वाली नियमित सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बना रही है। उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का माध्यम बन गई है। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने वाली पहल है। नियमित रूप से मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं को स्वयं पूरा कर पा रही हैं। इससे उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा महिलाओं की आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दी जा रही सहायता से महिलाओं में खुशी है। छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी अपने पास राशि उपलब्ध होना महिलाओं को आत्मनिर्भरता का एहसास कराता है।

कांग्रेस पर मंत्री रामविचार नेताम का तीखा हमला,बोले- मर्यादाएं तार-तार कर चुकी है

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को लेकर कांग्रेस के बयान पर मंत्री रामविचार नेताम ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफइस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। कांग्रेस को आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं और भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी पार्टी को ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए। समय आने पर जनता इसका जवाब देगी। शनिवार को मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री नेताम ने जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश



प्रभारी स्मृति ईरानी के प्रस्तावित दौरे को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत 11 से 18 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रायगढ़ पहुंचेंगे। उनके साथ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान जनजातीय समाज की संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों, कलाकृतियों और छात्र-छात्राओं से जुड़े आयोजन होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों की व्यापक स्तर पर समीक्षा भी की जाएगी। पटवारियों के आंदोलन और धान खरीदी को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री नेताम ने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। सरकार लगातार आंदोलनरत पटवारियों के संपर्क में है और उनसे किसानों के हित में आंदोलन समाप्त करने की अपील कर रही है। उनकी मांगों पर भी विचार किया जाएगा। धान खरीदी को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए 360 नए धान उपार्जन केंद्र बढ़ाए हैं, ताकि खरीदी के दौरान किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।

फैमिली कोर्ट के जज पर एफआईआर दर्ज करने के मामले में कार्रवाई

रायपुर। न्यायधानी बिलासपुर में फैमिली कोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मामले में सरकंडा थाना प्रभारी प्रदीप आर्य पर कार्रवाई की गई है। उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह नरेश चौहान को सरकंडा थाने की कमान सौंपी गई है। हालांकि, एसएसपी रजनेश सिंह द्वारा जारी आदेश में इस बदलाव की वजह प्रशासनिक बताई गई है। दरअसल, करीब एक सप्ताह पहले राजकिशोर नगर में रहने वाले महासमुंद कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार सोनवानी के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। बताया गया कि जन्मदिन समारोह के दौरान देर रात ढोल-नगाड़े बजाने और पटाखे फोड़ने पर न्यायाधीश ने आपत्ति जताई थी।

टोकन शुरू होने के पहले दिन ही जशपुर में 462 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप से लिया टोकन

रायपुर। संवाददाता

टोकन शुरू होने के पहले दिन ही जशपुर में 462 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप से लिया टोकनटोकन शुरू होने के पहले दिन ही जशपुर में 462 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप से लिया टोकन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां की जा रही हैं। धान खरीदी को लेकर किसानों में खासा उत्साह है। टोकन जारी होने के पहले ही दिन, 10 नवंबर को 462 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से 15 नवंबर को धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त किया। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले के 49 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की तैयारियां की जा रही हैं। सभी केंद्रों में 15 नवंबर से खरीदी शुरू करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने और धान विक्रय के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए हैं। इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए जिले के 53,378 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछले वर्ष यह संख्या 50,904 थी। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में 2,474 नए किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों का कुल धान रकबा लगभग 91,515.12 हेक्टेयर है।

8.68 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य नर्सिंग कॉलेज

जिले के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में मिलेगी नर्सिंग की पढ़ाई...स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। मनेंद्रगढ़ बस स्टैंड के सामने स्थित भूपेन्द्र क्लब परिसर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तत्वावधान में प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज भवन का विधिवत शिलान्यास किया गया। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की और शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 868.35 लाख रुपये यानी लगभग 8 करोड़ 68 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज का भवन जी+2 अर्थात भूतल सहित तीन मंजिला होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्माण कार्य को एक वर्ष के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। नर्सिंग कॉलेज की स्थापना जिले के विद्यार्थियों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। अब मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे जिलों और राज्यों का रुख करने की मजबूरी कम होगी। उन्हें अपने ही जिले में व्यावसायिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस संस्थान के शुरू होने से न केवल युवाओं के लिए शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि भविष्य में प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी विकसित होंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मनेंद्रगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। इस बड़ी सौगात का श्रेय उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कॉलेज जिले के बच्चों के भविष्य को संवारने और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध



कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री ने दीपावली, गौरी-गौरा, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि नर्सिंग कॉलेज का निर्माण मेडिकल कॉलेज के समीप किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे एक बार मेडिकल कॉलेज परिसर जाकर वहां हो रहे भव्य निर्माण कार्य को अवश्य देखें। उन्होंने कहा कि यह संस्थान केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के भविष्य को संवारने वाला केंद्र बनेगा। जिले के युवा यहीं शिक्षा प्राप्त कर अपने क्षेत्र की सेवा कर सकेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीएमसी ने अपने संबोधन में बताया कि 868.35 लाख रुपये की लागत से बनने वाला नर्सिंग कॉलेज जी+2 संरचना वाला तीन मंजिला भवन होगा। उन्होंने बताया कि नर्सिंग कॉलेज में चार वर्षीय पाठ्यक्रम की पढ़ाई का प्रावधान है। इस महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का विशेष योगदान रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में जिले में प्रस्तावित और प्रगतिरत विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिलने वाली है। इनमें चैनपुर से साजा पहाड़ तक सड़क निर्माण, नागपुर-चिरमिरी रेलवे लाइन, मेडिकल कॉलेज से चिरमिरी सड़क निर्माण, मेडिकल कॉलेज से पाराडोल रेलवे स्टेशन तक सड़क, सिद्ध बाबा मंदिर पहुंच मार्ग का भूमिपूजन तथा नालंदा लाइब्रेरी का भूमिपूजन शामिल हैं। उन्होंने खड़गवां में कृषि महाविद्यालय, चिरमिरी में हॉर्टिकल्चर कॉलेज तथा महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन और रोजगार के क्षेत्र में लगातार विकास हो। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने धान खरीदी और कृषक उन्नति योजना को लेकर भी किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी वास्तविक उपज के अनुसार ही धान बेचें और निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा को पूरा करने के लिए बाहर से धान जुटाने की परेशानी न उठाएं।

संपादकीय

चीन से मुकाबले के लिए भारत को क्यों बदलनी होगी रणनीति?

आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। विश्व भर में युद्ध का स्वरूप समय के साथ तेजी से बदल रहा है। पहले युद्ध में सैनिकों की संख्या, हथियारों की मारक क्षमता, टैंकों, तोपों और लड़ाकू विमानों की भूमिका निर्णायक मानी जाती थी। मगर अब आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से युद्ध की रणनीति और लड़ने के तरीके, दोनों बदल रहे हैं। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ, साइबर हमले, उपग्रह निगरानी, रोबोटिक हथियार और उन्नत मिसाइल जैसी रक्षा प्रणालियां युद्ध के नए साधन बन गए हैं।ऐसे में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पड़ोसी मुल्क चीन की बढ़ती तकनीकी और सामरिक क्षमताओं से मुकाबला करने की है। यह बात छिपी नहीं है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कई बार टकराव में तब्दील हुआ है। खबरों के मुताबिक, डोकलाम और गलवान के घटनाक्रमों के बाद अब अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर चीनी सेना की हलचल बढ़ी है।आइटीबीपी के महानिदेशक ने बीते गुरुवार को एक कार्यक्रम में इस चिंता को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि चीन के साथ पारंपरिक युद्ध के तरीकों से मुकाबला करने का दौर बीत चुका है और सुरक्षा बल अपने जवानों, हथियारों, वाहनों और सीमा चौकियों के आधुनिकीकरण पर जोर दे रहा है। आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ की मदद से युद्धक्षेत्र से मिलने वाली सूचनाओं का विश्लेषण करके तेजी से निर्णय लिया जा सकता है।वहीं, साइबर हमलों के जरिए बिजली आपूर्ति, संचार नेटवर्क, बैंकिंग और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। इस बदलाव का अर्थ यह है कि अब किसी देश की सैन्य शक्ति केवल उसके सैनिकों और हथियारों की संख्या से नहीं आंकी जा सकती।तकनीकी दक्षता, खुफिया जानकारी, संचार व्यवस्था और विभिन्न सैन्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। आइटीबीपी चीन के साथ करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की सुरक्षा करती है। बढ़ती चुनौतियों के बीच इस बल ने अपनी सभी सीमा इकाइयों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मद्देनजर सीमा पर व्यापक भूमिगत ढांचे बनाए जा रहे हैं।

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है

(प्रह्लाद सबनानी)

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिंहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की शृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए



जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है।

संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है।

राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अतः देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अतः शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है।

भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है।

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अतः समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके।

आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी।

यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष पर घुमंतू समाज के उस पुरखे को नमन

जिसने गुरु की मर्यादा के लिए अपना घर जला दिया

(प्रभाकर पाठक)

लक्खीशाह का जन्म 4 जुलाई, 1580 को रायसीना में हुआ। आज वहां राष्ट्रपति भवन है। वे बंजारा समाज के बड़े और संपन्न व्यापारी थे। रायसीना के साथ मालचा, नरेला और बाराखंबा में उनकी जमीनें थीं। उनका कारवां दूर-दूर तक माल ले जाता था और मुगल अफसरों के बीच भी उनकी पहचान थी।

चांदनी चौक की उस शाम दिल्ली सहमी हुई थी। 11 नवंबर, 1675 को औरंगजेब के आदेश पर श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हो चुका था। बादशाह चाहता था कि उनकी देह खुले में पड़ी रहे, ताकि कोई सिर उठाने की हिम्मत न करे। उस डर के माहौल में जिसने सबसे पहले हिम्मत दिखाई, वह कोई सेनापति नहीं था। वह रायसीना का एक बंजारा था, जिसका नाम लक्खीशाह था।

हिंद की चादर: मुगल शासन में कश्मीर के पंडितों पर जबरन धर्मांतरण का दबाव था। पंडित कृपा राम के साथ वे आनंदपुर साहिब पहुंचे और गुरु जी से रक्षा मांगी। गुरु जी ने दिल्ली जाने का फैसला किया। उनसे पहले उनके साथी भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी ने बलिदान दिया। फिर गुरु जी ने स्वयं शीश दिया, ताकि इस देश के लोग अपने धर्म पर चलने के अधिकार से वंचित न किए जाएं। इसीलिए उन्हें हिंद की चादर कहा जाता है।

रायसीना का बंजारा: लक्खीशाह का जन्म 4 जुलाई, 1580 को रायसीना में हुआ। आज वहां राष्ट्रपति भवन है। वे बंजारा समाज के बड़े और संपन्न व्यापारी थे। रायसीना के साथ मालचा, नरेला और बाराखंबा में उनकी जमीनें थीं। उनका कारवां दूर-दूर तक माल ले जाता था और मुगल अफसरों के बीच भी उनकी पहचान थी। इसी पहचान ने उस शाम काम किया। भाई जैता जी (भाई जीवन सिंह) गुरु जी का शीश लेकर आनंदपुर साहिब निकल चुके थे, पर देह का प्रश्न बाकी था। आंधी की आड़ में लक्खीशाह रुई की गांठों से लदी बैलगाड़ियां लेकर पहुंचे। अपने बेटों के साथ, जिनमें नगाहिया का नाम आता है, उन्होंने गुरु जी की देह को गांठों के नीचे छिपाया और रायसीना ले आए। सिपाहियों ने एक व्यापारी की गाड़ी समझकर उन्हें जाने दिया।

जब घर ही चिता बना: असली परीक्षा इसके बाद थी। खुले में चिता जलती तो धुआं देखकर सिपाही सीधे पहुंच जाते। लक्खीशाह ने ऐसा रास्ता चुना, जिसकी कल्पना भी कठिन है। उन्होंने गुरु जी की देह को घर के भीतर रखा और घर में आग लगा दी। दुनिया के लिए एक बंजारे का घर जल रहा था। भीतर एक महान संत को अंतिम विदाई दी जा रही थी।

इस फैसले में घर था, परिवार था और प्राणों का जोखिम था। फिर भी उन्होंने एक क्षण नहीं सोचा। बाद में वे आनंदपुर साहिब गए और नौ वर्ष के गुरु गोबिंद राय, यानी भविष्य के गुरु गोबिंद सिंह जी को पिता के संस्कार की खबर दी। जहां यह संस्कार हुआ, वहां आज संसद भवन के पास गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब है। 1680 में लक्खीशाह का निधन हुआ।

घुमंतू समाज का गौरव: लक्खीशाह उस समाज के प्रतिनिधि हैं, जिसने सदियों तक भारत को जोड़े रखा। जब न पक्की सड़कें थीं, न रेल, तब बंजारों के काफिले नमक, अनाज और कपड़ा लेकर जंगल, घाटी और रेगिस्तान पार करते थे। सेनाओं तक रसद इन्हीं के सहारे पहुंचती थी। जहां तांडा, यानी चलती-फिरती बस्ती, डेरा डालता, वहां कुएं और सराय बनते थे।

आज भी बंजारा बस्तियों में बुजुर्ग अपने पुरखों का नाम सम्मान से लेते हैं। लक्खीशाह का नाम आते ही उनकी आंखों में चमक आ जाती है। यह गर्व उधार का नहीं है। यह उस पूर्वज का गौरव है, जिसने अपने समय की सबसे बड़ी चुनौती में समाज की ओर से सबसे बड़ा त्याग किया। बच्चे यह कथा किताबों में नहीं, बड़ों की जुबानी सुनते हैं और सीना तानकर बड़े होते हैं।

साझी विरासत: यह प्रसंग हिंदू समाज की साझी विरासत है। सिख पंथ का उदय मुगल अत्याचार से धर्म की रक्षा के लिए हुआ और वह हिंदू धर्म का ही अंग है। कश्मीरी पंडितों ने रक्षा मांगी, गुरु जी ने बलिदान दिया, भाई जैता जी ने शीश आनंदपुर पहुंचाया और एक बंजारे ने देह को सम्मान दिलाया। बंजारा समाज इसी समाज का अंग है।

पीड़ा भी, संकल्प भी: इतिहास का एक कड़वा पन्ना भी है। जिस समाज ने पीढ़ियों तक देश का व्यापार चलाया, उसे अंग्रेजों ने 1871 के आपराधिक जनजाति अधिनियम में जन्म से अपराधी ठहरा दिया। यह कानून 1952 में हटा और समुदायों को विमुक्त कहा गया, पर सम्मान और अवसर की लड़ाई आज भी अधूरी है। कई घुमंतू परिवार अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थायी रोजगार से दूर हैं।

संघ और सेवा भारती- बस्ती-बस्ती तक सेवा: इस कमी को भरने का काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और सेवा भारती जैसे संगठन कर रहे हैं। वे उन बस्तियों तक पहुंचते हैं, जहां आम तौर पर कोई नहीं पहुंचता। शाम की पाठशालाओं और संस्कार केंद्रों में पढ़ाई से छूटे बच्चे लौटते हैं। स्वास्थ्य शिविर लगते हैं। महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई और हस्तशिल्प का प्रशिक्षण मिलता है और स्वयं सहायता समूह बनते हैं। स्वयंसेवक आधार, बैंक खाता और प्रमाणपत्र बनवाने में परिवारों की मदद करते हैं, ताकि वे सरकारी योजनाओं तक पहुंच सकें। यह सेवा किसी जाति या पंथ को देखकर नहीं होती। मकसद इतना है कि हर परिवार सम्मान के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो, यानी स्वावलंबी बने। लक्खीशाह ने चुपचाप सेवा की थी, स्वयंसेवक भी उसी प्रकार मौन तपस्वी बनकर सम्पूर्ण समाज की सेवा कर रहे है।

उप्र 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं।

(ललित गर्ग)

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं को बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं



सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है।

इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी।

दुर्ग में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शुरू, 11 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावा-आपत्ति

12 नवंबर से शुरू हुई प्रक्रिया, 4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन; 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मिलेगा नाम जुड़वाने का मौका



दुर्ग। जिले में मतदाता सूची को दुरुस्त करने और नए मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के संदर्भ में शुरू हुए इस अभियान के तहत नागरिक 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, विलोपन और संशोधन के लिए दावा-आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक एवं प्रेस वार्ता लेकर पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर को कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 दिसंबर तक मतदान केंद्रों पर कार्यालयीन दिवसों में दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इनका निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा।

नए मतदाताओं को मिलेगा नाम जुड़वाने का अवसर-पुनरीक्षण अभियान के दौरान 1 जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा प्रारूप-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा नाम विलोपन के लिए प्रारूप-7 तथा मतदाता सूची में दर्ज जानकारी में संशोधन एवं एक ही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थान परिवर्तन के लिए प्रारूप-8 में आवेदन किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 की अर्हता तिथियों के आधार पर भी पात्र युवाओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

ऑनलाइन भी कर सकेंगे आवेदन-मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, कटवाने, संशोधन कराने और स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। नागरिक निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पोर्टल https://voters.eci.gov.in/ तथा Voter Helpline App के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसी माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम भी खोजा जा सकता है। इसके अलावा सतत अद्यतीकरण के तहत तहसील कार्यालय में कार्यालयीन दिवसों के दौरान आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा रहेगी।मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि अथवा आपत्ति होने पर संबंधित निर्वाचक या सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। अभियान से संबंधित जानकारी एवं सहायता के लिए नागरिक निर्वाचन आयोग के टोल फ्री नंबर 1950 पर सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

जिले में 12.63 लाख से अधिक मतदाता दर्ज-प्रारंभिक मतदाता सूची के अनुसार जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के साथ साजा एवं बेमेतरा विधानसभा क्षेत्रों के आंशिक हिस्सों को मिलाकर कुल 12 लाख 63 हजार 157 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 6 लाख 28 हजार 280 पुरुष, 6 लाख 34 हजार 836 महिला तथा 41 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या 6,556 अधिक है। इन क्षेत्रों में कुल 1,742 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

लोकतंत्र बचाओ- अराजकता हटाओ विशाल पदयात्रा की तैयारी को लेकर नगर मंडल की बैठक संपन्न

14 नवंबर को आयोजित होने वाली विशाल पदयात्रा में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का किया गया आह्वान



जांजगीर। आगामी 14 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी जिला जांजगीर-चांपा द्वारा आयोजित होने वाली विशाल पदयात्रा ÷अराजकता हटाओ,लोकतंत्र बचाओ÷ की तैयारियों को लेकर आज भाजपा कार्यालय जांजगीर में जांजगीर नगर मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिला संगठन सह प्रभारी श्री राजेंद्र वैष्णव जी ने पदयात्रा की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं से पदयात्रा में शामिल होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जुट जाएं।बैठक में पदयात्रा के प्रचार-प्रसार, कार्यकर्ताओं की सहभागिता एवं आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर प्रमुख रूप सेप्रदेश मंत्री श्रीमती विद्या सिदार,भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अम्बेश जांगड़े, जिला महामंत्री श्रीमती नंदनी राजवाड़े, श्रीमती संतोषी दुबे, राकेश रूपवानी, अनिल शर्मा, विवेका गोपाल,शिवचरण सिंह ठाकुर, मनोज अग्रवाल, रेखा गड़ेवाल, मोहन यादव, पलाश चंदेल, बसंत पटेल, पुष्पेंद्र निर्मलकर आकाश ।नगर मंडल के अध्यक्ष हितेश यादव, रामेश्वर पटेल, भूपेंद्र,रितेश राठौर, उमेश,मोनू अग्रवाल,मेघा यादव, रिया,अमित, शाहिद, सुनील, नंद गोपाल, गोलू दूबे, प्रदीप, गज्जू, मिंटू कहरा,पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।युवा मोर्चा से आकाश सिंह,अभिषेक पांडेय, सोनू यादव, शैल राठौर।

भुइयां आईडी से अवैधानिक रूप से रकबा परिवर्तन के मामले में चार पटवारी निलंबित

जांजगीर-चांपा, जिले में खसरा अभिलेखों में अवैधानिक रूप से रकबा परिवर्तन के मामलों में अनुविभागीय अधिकारी (रा) पामगढ़ द्वारा 03 एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा) चांपा द्वारा 01 पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पामगढ़ द्वारा पटवारी महादेव देवांगन, प.ह.नं. 14 ग्राम मुड़पार (ब), पटवारी मोहन साहू, प.ह.नं. 27 ग्राम भुईगांव तथा पटवारी अमृतलाल रात्रे, प.ह.नं. 23 ग्राम राहौद को निलंबित किया गया है। संबंधित पटवारियों के खसरा नंबरों की लॉग रिपोर्ट के अवलोकन से सक्षम अधिकारी के आदेश बिना भुइयां आईडी से अवैधानिक रूप से रकबा परिवर्तित किया जाना पाया गया है, जो कि पटवारी के अधिकारिताविहीन कार्य को प्रदर्शित करता है। इस संबंध में जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब पटवारियों द्वारा आज पर्यंत प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसी प्रकार, अनुविभागीय अधिकारी (रा) चांपा द्वारा पटवारी केशव सिंह मरावी, प.ह.नं. 16, ग्राम सरवानी, तहसील सारागांव को निलंबित किया गया है। उनके द्वारा ग्राम सरवानी के खसरा नंबर 450/1 एवं 450/2 के रकबे में परिवर्तन किए जाने के संबंध में तहसीलदार सारागांव द्वारा लॉग प्रविष्टियों के साथ प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। तहसीलदार सारागांव एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चांपा द्वारा भुइयां आईडी पर जांच करने पर उपर्युक्त खसरे के संबंध में किसी प्रकार का अनुमोदन नहीं पाया गया। इस संबंध में जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब को समाधानकारक नहीं पाया गया।

उक्त चारों पटवारियों को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। पटवारी महादेव देवांगन, मोहन साहू एवं अमृतलाल रात्रे का मुख्यालय तहसील कार्यालय (कानूनगो शाखा) पामगढ़ तथा पटवारी केशव सिंह मरावी का मुख्यालय तहसील कार्यालय सारागांव निर्धारित किया गया है। पटवारी केशव सिंह मरावी के विरुद्ध निलंबन अवधि में विभागीय जांच की कार्यवाही संस्थित की गई है।

सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए जांजगीर के BTI चौक से कलेक्ट्रेट तिराहा तक प्रशासन ,पुलिस, पालिका और पीडब्लूडी की संयुक्त टीम द्वारा किया गया सर्वे

निर्माणाधीन डिवाइडर के दोनों ओर 12-12 मीटर की चौड़ाई का किया गया सीमांकन/मार्किंग, दुकानदारों को निर्धारित सीमा क्षेत्र से अपने बोर्ड,फ्लेक्स और बैनर को हटाने की दी गई समझाइश



जांजगीर-चांपा – कलेक्टर जांजगीर चांपा एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देश में, जांजगीर शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने तथा सड़क पर लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से कोतवाली जांजगीर क्षेत्रांतर्गत ब्लॉक्ड चौक से कलेक्ट्रेट तिराहा तक निर्माणाधीन डिवाइडर के दोनों ओर 12-12 मीटर की चौड़ाई का नाप एवं सीमांकन करते हुए मार्किंग किया गया। रोड किनारे लगे दुकानदारों को विशेष समझाइश-इस दौरान निर्धारित सड़क सीमा के भीतर दुकान संचालित करने वाले दुकानदारों को समझाइश देते हुए स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने तथा निर्धारित सीमा के बाहर दुकान का सामान नहीं रखने की हिदायत दी गई।

पार्किंग स्थानों का चिन्हांकन-सड़क के दोनों ओर कुछ शासकीय पार्किंग स्थानों का चिन्हांकन किया गया है इसके अतिरिक्त कुछ अन्य स्थानों का शासकीय रिकॉर्ड देखकर उन्हें पार्किंग स्थानों के रूप में विकसित किए जाने के संबंध में कार्यवाही करने की योजना बनाई गई

पोल शिफ्टिंग की आवश्यकता-सड़क के दोनों ओर विद्युत खंभे लगे होने की वजह से कुछ स्थानों पर मार्ग संकीर्ण हो गया है एवं उनका उपयोग पार्किंग के लिए किया जा रहा है अतः ऐसे स्थलों को चिन्हांकित करते हुए विद्युत विभाग से सामंजस्य बनाकर अग्रिम कार्यवाही करने पर विचार किया गया ।

रोड में व्यवधान उत्पन्न करने पर की जाएगी चालानी कार्यवाही-निर्धारित स्थानो पर पार्किंग न करते हुए यातायात व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न करने वालों पर की जाएगी चालानी कार्यवाही उक्त कार्यवाही में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, यातायात विभाग, लोक निर्माण विभाग (ब्लॉक्ड) एवं नगर पालिका के अधिकारी -कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी विभागों के समन्वय से शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं आम नागरिकों को आवागमन में होने वाली असुविधा दूर करने की दिशा में यह पहल की गई। अपील -जांजगीर-चांपा पुलिस की आम नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील है कि वे निर्धारित सड़क सीमा का पालन करें, सड़क एवं फुटपाथ पर अतिक्रमण न करें तथा दुकान का सामान सड़क पर न फैलाएं। यातायात व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आमजन एवं व्यापारियों के सहयोग से ही शहर को जाममुक्त, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सकता है।

भव्य श्याम कार्तिक महोत्सव सरखों में 15 से-प्रतिदिन होंगे विविध कार्यक्रम-अंतिम दिवस कार्तिक पूर्णिमा को लगेगा भव्य मेला



जांजगीर चाम्पा। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम सरखों में 15 नवम्बर से अंचल का प्रसिद्ध श्याम कार्तिक महोत्सव शुरू हो जाएगा। जिसके लिए आयोजन समिति व ग्राम पंचायत द्वारा जोर-शोर से तैयारियां की जा रही है। अंतिम दिवस कार्तिक पूर्णिमा 24 नवंबर को भव्य मेला का लगेगा। महोत्सव को लेकर इस बार ग्राम वासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है ।आयोजन का यह 68 वाँ वर्ष है।यह आयोजन हर एक साल के अंतराल में होता है जिसके चलते ग्रामीणों में ज्यादा उत्साह होता है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष षष्ठी को भगवान श्याम कार्तिक जी की प्रतिमा विराजित कर ग्राम में कार्तिक पूर्णिमा तक महोत्सव की धूम रहेगी।महोत्सव का इतिहास बेहद पुराना है।ग्रामीणों के मुताबिक वर्ष 1962 से ग्राम में महोत्सव मनाने की परंपरा शुरु हुई थी,जो आज पर्यन्त तक निरंतर चली आ रही है। निश्चित ही यह ग्रामीणों की लगन, सक्रियता , भाईचारे व एकजुटता का प्रतीक है।ग्राम के बुजुर्गों के अनुसार नईया पारा गुड़ी चौक में सबसे पहले महोत्सव की शुरुआत हुई थी,जो अब ग्राम के मुख्य चौक रामजानकी में महोत्सव मनाया जा रहा है।प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी लगभग डेढ़ माह पूर्व यानी मातृनवमी के दिन भगवान स्वामी कार्तिक की मूर्ति बनाने के लिए पवित्र मिट्टी लाकर गांव के मूर्तिकार को दिया गया।इसी मिट्टी से भगवान स्वामी कार्तिक की प्रतिमा तैयार की जा रही है।प्रतिमा तैयार करने के लिए गाँव की ऐसी जगह की मिट्टी लाई जाती है जहां किसी के पांव ना पड़ें हो।इसे ही पवित्र मिट्टी कही जाती है। महोत्सव की तैयारी के लिए ग्राम पंचायत व आयोजन समिति के सदस्यगण जुटे हुए हैं। महोत्सव को लेकर ग्राम में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पूरे गांव में नौ दिनों तक भक्ति की रसधारा बहेगी।गांव के लोग अपनी बेटियों को लिवाके के लाने लगे हैं। प्रतिदिन होंगे विविध कार्यक्रम-- ग्राम सरखों में हर 1 वर्ष के अंतराल में होने वाले श्याम कार्तिक महोत्सव इस वर्ष आगामी 15 नवम्बर से शुरू हो जाएगा। जो 24 नवम्बर कार्तिक पूर्णिमा तक चलेगा। प्रतिदिन आयोजन स्थल पर विविध कार्यक्रम होंगे। रात में जसगीत गायन व भजन कीर्तन का आयोजन किया जावेगा। रंगोली प्रतियोगिता,नृत्य व रामलीला का आयोजन भी होता है। अंतिम दिवस ग्राम के कई स्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम व नाचा गम्मत होगा। इस बार होगी अच्छी फसल-ग्राम में पिछले साढ़े छः दशक से यह महोत्सव हो रहा है। ग्राम के बुजुर्गों का मानना है कि जिस वर्ष ग्राम में यह आयोजन होता है ,उस वर्ष गांव के लोगों की फसल की पैदावार अच्छी होती है।चूँकि इस वर्ष बारिश अच्छी हुई। और ग्राम में महोत्सव भी हो रहा है, ऐसे में इस बार ग्रामीणों के चेहरे में प्रसन्नता है कि फसल अच्छी होगी।

सिं धी समाज की सामूहिक श्रद्धा से गूंज रहा तिल्दा-नेवरा, प्रभात फेरी में उमड़ रहा आस्था का सैलाब

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की तैयारियां शुरू, 24 नवंबर तक प्रतिदिन निकलेगी प्रभात फेरी, महिला-पुरुष, युवा और बुजुर्ग बढ़-चढ़कर निभा रहे सहभागिता



तिल्दा-नेवरा। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर तिल्दा-नेवरा में सिंधी समाज की धार्मिक आस्था, एकजुटता और सामूहिक सहभागिता देखते ही बन रही है। गुरु नानक देव जी की जयंती के उपलक्ष्य में आज से सिंधी समाज द्वारा प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया है। यह प्रभात फेरी लगातार 24 नवंबर तक निकाली जाएगी। समाज के महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में इसमें शामिल होकर भजन-कीर्तन के माध्यम से गुरु नानक देव जी के संदेश को नगर के प्रत्येक घर तक पहुंचाने में जुटे हैं।प्रतिदिन सुबह 5 बजे पूज्य श्री गुरुनानक दरबार से प्रभात फेरी प्रारंभ होती है। इसमें समाजजन गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए नगर भ्रमण करते हैं। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरने वाली प्रभात फेरी में भजन-कीर्तन की गूंज से सुबह का वातावरण भक्तिमय हो जाता है। प्रभात फेरी पुनः गुरुनानक दरबार पहुंचकर संपन्न होती है।

समाज की एकजुटता बनी आयोजन की पहचान-इस आयोजन की खास बात यह है कि इसमें सिंधी समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। महिलाएं, पुरुष, युवा और वरिष्ठजन अपनी दिनचर्या से समय निकालकर प्रतिदिन प्रभात फेरी में शामिल हो रहे हैं। समाज के परिवार भी पूरे उत्साह के साथ इस धार्मिक आयोजन से जुड़ रहे हैं। नगर में जगह-जगह प्रभात फेरी का स्वागत किया जा रहा है और श्रद्धालुओं को अपने घरों में कीर्तन के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। प्रभात फेरी में साईं मोहनलाल उदासी, साईं हरी उदासी, साईं ओम उदासी, साईं साहिल उदासी एवं **सुबह प्रभात फेरी, शाम को भजन-कीर्तन**-प्रभात फेरी के साथ शाम को भी गुरु भक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान गुरु नानक देव जी के जीवन से जुड़े प्रसंगों और उनकी शिक्षाओं को भजन-कीर्तन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। समाज के लोग श्रद्धापूर्वक इन आयोजनों में शामिल होकर गुरु की वाणी का श्रवण कर रहे हैं।

श्री मल्टी स्पेशिलिटी बर्न एंड ट्रॉमा सेंटर पर स्वास्थ्य विभाग की जांच में बड़ा खुलासा

10 बेड की अनुमति, 60-65 बिस्तरों पर अस्पताल संचालन!

शिकायतों के बाद दूसरी बार हुआ निरीक्षण, कई खामियां सामने आने की जानकारी; अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर मांगे गए दस्तावेज, जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी। जांच के बीच कथित राजनीतिक फोन कॉल की भी चर्चा, क्या दबाव में आएगा प्रशासन?



जांजगीर-चांपा। जिले के स्वास्थ्य महकमे में इन दिनों श्री मल्टी स्पेशिलिटी बर्न एंड ट्रॉमा सेंटर को लेकर हलचल तेज है। अस्पताल की कार्यप्रणाली और उपलब्ध सुविधाओं को लेकर लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच अब एक ऐसा तथ्य सामने आया है, जिसने स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अस्पताल को महज 10 बिस्तरों के संचालन की अनुमति प्रदान की गई है, जबकि मौके पर 60 से 65 बिस्तरों वाला अस्पताल संचालित होने की जानकारी सामने आई है। यानी स्वीकृत क्षमता और मौके पर बताई गई बिस्तरों की संख्या के बीच काफी बड़ा अंतर है।इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल प्रबंधन से अतिरिक्त बिस्तरों के संचालन से संबंधित वैध अनुमति और दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है, लेकिन विभागीय जानकारी के मुताबिक अब तक प्रबंधन की ओर से 60 से 65 बिस्तरों के संचालन की अनुमति से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। इस स्थिति ने अस्पताल के पंजीयन, स्वीकृत क्षमता और वास्तविक संचालन को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों के बाद दूसरी बार जांच-जांजगीर में संचालित श्री मल्टी स्पेशिलिटी बर्न एंड ट्रॉमा सेंटर के खिलाफ मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से कई शिकायतें की गई थीं। शिकायतों में अस्पताल की व्यवस्थाओं और संचालन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर सवाल उठाए गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जांच प्रक्रिया शुरू की।शिकायतों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल का दूसरी बार निरीक्षण किया। जांच के दौरान अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं, बिस्तरों की संख्या और संचालन से संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। विभागीय जांच में कई खामियां सामने आने की जानकारी है। इसी आधार पर अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर जवाब और आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं।मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अनिता श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम ने श्री अस्पताल का दोबारा निरीक्षण किया है। दीपावली अवकाश के कारण जांच प्रतिवेदन अभी प्राप्त नहीं हुआ है। प्रतिवेदन मिलने के बाद नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

10 बेड की अनुमति, फिर 60-65 बिस्तरों का संचालन कैसे?-इस पूरे मामले का सबसे अहम पहलू अस्पताल की स्वीकृत क्षमता और मौके पर सामने आई बिस्तरों की संख्या है। सीएमएचओ के अनुसार, श्री हॉस्पिटल को 10 बिस्तरों के संचालन की अनुमति है, जबकि निरीक्षण के दौरान 60 से 65 बिस्तरों वाला अस्पताल संचालित होने की जानकारी सामने आई है।अब सवाल यह है कि यदि अस्पताल को 10 बिस्तरों की अनुमति मिली है, तो अतिरिक्त 50 से अधिक बिस्तरों का संचालन किस आधार पर किया जा रहा था? क्या इसके लिए अस्पताल प्रबंधन ने अलग से अनुमति प्राप्त की है? यदि अनुमति ली गई है तो उसके दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग के सामने क्यों नहीं आए? और यदि अतिरिक्त बिस्तरों के संचालन की अनुमति नहीं है, तो इतने बड़े अंतर के बावजूद अस्पताल की गतिविधियों की निगरानी किस स्तर पर हो रही थी? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज और उनके परिजन यह मानकर उपचार कराते हैं कि संस्थान आवश्यक वैधानिक अनुमतियों और स्वास्थ्य विभाग के निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हो रहा है।हालांकि अतिरिक्त बिस्तरों की संख्या सामने आने मात्र से अन्य सभी चिकित्सा गतिविधियों को अवैध नहीं माना जा सकता। इसके लिए अस्पताल के पंजीयन, स्वीकृत श्रेणी, बिस्तर क्षमता और संबंधित अनुमतियों की विस्तृत जांच आवश्यक है।

नोटिस के बाद भी दस्तावेज नहीं, अब विभाग की अगली कार्रवाई पर नजर-स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल प्रबंधन को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार, अब तक 60 से 65 बिस्तरों के संचालन से संबंधित अनुमति के दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।ऐसे में अब अस्पताल प्रबंधन के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। तय समय-सीमा में संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने आगे नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही है। यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जांच प्रतिवेदन सामने आने के बाद विभाग किस तरह की कार्रवाई करता है। क्या केवल नोटिस और जवाब-तलब तक मामला सीमित रहेगा या फिर नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित प्रावधानों के तहत ठोस कदम उठाए जाएंगे? जांच की आंच के बीच नेताओं के फोन की चर्चा, क्या प्रभावित होगी कार्रवाई?

एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक

जांजगीर-चांपा आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ 15 नवंबर 2026 से होना है। शासन द्वारा किसानों के हित में एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल या रकबे में संशोधन की कार्यवाही 31 अक्टूबर 2026 से बढ़ाकर 15 नवंबर 2026 तक कर दी गई है, ताकि एक भी किसान भाई अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने से वंचित न रहे। उप संचालक कृषि राकेश शर्मा ने बताया की शासन की योजना अनुसार एकीकृत किसान पोर्टल पर इस वर्ष धान के बदले अन्य कोई भी फसल का पंजीयन कराने पर किसानों को 15000 रूपये प्रति एकड़ एवं सामान्य फसल जैसे - दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास फसल का पंजीयन कराने पर उन्हें 10000 रूपये प्रति एकड़ की दर से सहायता राशि शासन द्वारा प्रदाय की जाएगी। किसानों से अपील किया गया है ि

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारी हितों एवं रेल प्रशासन से जुड़े मुद्दों पर OBC एसोसिएशन और PREM की मंडल स्तरीय बैठक संपन्न



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में आज दिनांक 12 नवम्बर 2026 को अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन की मंडल स्तरीय बैठक एवं PREM (Participation of Railway Employees in Management) बैठक का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। दोनों बैठकें सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुईं, जिनमें कर्मचारी हितों, कार्यस्थल की सुविधाओं तथा रेल प्रशासन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के प्रथम सत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने की। इस दौरान एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष श्री एच. कृष्णा राव, सचिव श्री एस. मधुसूदन राव एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा कर्मचारियों से संबंधित 09 एजेंडा प्रस्तुत किए गए। इन सभी विषयों पर मंडल के अधिकारियों एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के बीच विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से कर्मचारियों की कार्य संबंधी समस्याओं, सेवा संबंधी मामलों, उपलब्ध सुविधाओं, कल्याणकारी योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों के निराकरण से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के द्वितीय सत्र में मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठन मजदूर कांग्रेस के मंडल समन्वयक श्री विजय अग्निहोत्री एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में PREM बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री के. श्रीनिवास ने की। बैठक में रेलवे कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियों में सुधार, कार्यस्थल पर बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता, प्रशासन एवं कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय तथा रेलवे की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने से संबंधित विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विषयों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित मामलों में नियमानुसार उचित एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों के समाधान तथा प्रशासन एवं कर्मचारी संगठनों के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय को महत्वपूर्ण बताया। दोनों बैठकों में मंडल के सभी शाखाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का समन्वयन एवं संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा एवं मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू.एस.एस. राव द्वारा किया गया।

जिले में राशन वितरण सुचारू, 16 प्रतिशत कार्डधारियों को मिला खाद्यान्न

बिलासपुर। जिले की उचित मूल्य दुकानों में नवंबर माह के राशन का वितरण सुचारू रूप से जारी है। 12 नवंबर की स्थिति में जिले के 16 प्रतिशत राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न वितरित किया जा चुका है। शेष कार्डधारियों को भी राशन उपलब्ध कराने के लिए उचित मूल्य दुकानों को निर्देशित किया गया है। खाद्य नियंत्रक ने बताया कि नवंबर माह के लिए खाद्यान्न आवंटन, उठाव एवं वितरण संबंधी सभी पूर्व तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई थीं। प्रदेशभर की उचित मूल्य दुकानों का सर्वर 1 से 4 नवंबर तक बंद रहने के कारण वितरण कार्य में अस्थायी बाधा आई थी। सर्वर पुन: प्रारंभ होने के बाद जिले में राशन वितरण नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। खाद्य नियंत्रक ने बताया कि वितरण कार्य निरंतर प्रगति पर है। उचित मूल्य दुकानों को शेष राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चलती बस के गियर बॉक्स में लगी आग, यात्रियों में मची चीख पुकार

कोरबा। कोरबा जिले में चलती यात्री बस के गियर बॉक्स में अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस के केबिन में धुएं का गुबार भरता देख यात्रियों के बीच चीख-पुकार शुरू हो गई। हालांकि, चालक की सूझबूझ और तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। बस में सवार करीब 20 से 25 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह है कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार, यादव बस कोरबा से बिलासपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान कटघोरा तहसील चैक के पास अचानक बस के गियर बॉक्स में आग लग गई। देखते ही देखते केबिन में धुआं भरने लगा। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तत्काल बस रोकी और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

कलेक्टर ने ली राजनीतिक दलों की बैठक

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर,11 दिसंबर तक करें आवेदन

- प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित; 4 जनवरी को होगा अंतिम प्रकाशन, युवा अग्रिम आवेदन भी कर सकेंगे

बिलासपुर। जिले में फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। नागरिक 11 दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटाने तथा आवश्यक संशोधन के लिए दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों का निराकरण 28 दिसंबर तक किया जाएगा तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज आयोजित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई। बताया गया कि जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में कुल 13 लाख 59 हजार 109 मतदाता हैं। इनमें 6 लाख 90 हजार 68 पुरुष, 6 लाख 68 हजार 989 महिला तथा 52 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं।राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की फोटो सहित मुद्रित प्रति एवं फोटो रहित सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराई गई। मतदान केंद्रवार सूची ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा की जानकारी भी दी गई। 2027 में 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा भी कर सकेंगे अग्रिम आवेदन- पुनरीक्षण कार्यक्रम 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर संचालित किया जा रहा है। इस तिथि को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवा अपना नाम जुड़वाने आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा भी अग्रिम आवेदन जमा कर सकेंगे। मतदाता सूची में नया नाम



जोड़ने के लिए फॉर्म-6, प्रवासी भारतीय मतदाताओं के लिए फॉर्म-6ए, नाम हटाने अथवा आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन, स्थानांतरण एवं दिव्यांगता चिह्नांकन के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है। नागरिक मतदाता सेवा पोर्टल (https://voters.eci.gov.in) अथवा श्वष्टब्रुह्मश्वञ्ज मोबाइल एप से घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन संबंधित बीएलओ अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। विशेष शिविर और सहायता केंद्रों से मिलेगी सुविधा- वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं तथा वंचित एवं कमजोर वर्गों के पंजीयन के लिए विशेष शिविर और जिला एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं। श्वष्टब्रुह्मश्वञ्ज एप में 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा से संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से बातचीत के लिए अनुरोध भी भेजा जा सकता है। पंजीयन के बाद मतदाता पोर्टल अथवा एप से अपना ई-एपिक डाउनलोड कर सकेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय ने सभी पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने और आवश्यकतानुसार आवेदन करने की अपील की है। मतदाता पंजीयन संबंधी सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी, निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री अंकित तिवारी, सहायक निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री ब्रजेश पांडेय एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सफलता की कहानी- सेवा सेतु पोर्टल से आसान हुई शासकीय सेवाओं तक पहुंच

- चंद दिनों में बने बच्चों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, श्री रामभाऊ कौशिक ने मुख्यमंत्री का जताया आभार



बिलासपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं का लाभ अब आम नागरिकों तक तेजी से पहुंच रहा है। शासकीय सेवाओं को सरल, सहज और सुलभ बनाने की दिशा में शुरू की गई सेवा सेतु सुविधा लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न आवश्यक प्रमाण पत्रों के लिए अनावश्यक भागदौड़ और लंबी प्रतीक्षा से राहत मिल रही है। सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाते हुए आम लोगों का काम आसान किया है। इसी कड़ी में तखतपुर विकासखंड के ग्राम बीजा निवासी श्री रामभाऊ कौशिक को भी सेवा सेतु सुविधा का लाभ मिला। उन्होंने अपने बच्चों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु केंद्र बिलासपुर में आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन की प्रक्रिया सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आगे बढ़ाई गई और महज चंद दिनों में ही उनके बच्चों के आवश्यक प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गए। कम समय में प्रमाण पत्र मिलने से श्री कौशिक को काफी राहत मिली और उनका शासकीय सेवाओं के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ। श्री कौशिक के बच्चों के लिए जाति एवं निवास प्रमाण पत्र महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इन प्रमाण पत्रों की आवश्यकता विद्यार्थियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने के दौरान पड़ती है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होना परिवार के लिए काफी सुविधाजनक रहा। पहले जहां इस तरह के कार्यों के लिए लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, वहीं सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने में मदद मिल रही है। श्री रामभाऊ कौशिक ने सेवा सेतु के माध्यम से कम समय में अपने बच्चों के प्रमाण पत्र बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

धान खरीदी से पहले प्रशासन की सख्ती सात ठिकानों से 200 क्विंटल धान जब्त

- उपार्जन केंद्रों में अनधिकृत धान खपाने के प्रयासों पर निगरानी
- राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त कार्रवाई



बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू हो रही धान खरीदी से पहले बिलासपुर जिला प्रशासन ने धान के अवैध संग्रहण और कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की टीमों ने जिले में 7 ठिकानों पर छापामार कार्रवाई कर कुल 200.40 क्विंटल धान जब्त किया है। यह कार्रवाई उपार्जन केंद्रों में अनधिकृत रूप से धान खपाने के प्रयासों को रोकने के लिए की गई है। संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार के नेतृत्व में जांच दलों ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों और धान संग्रहण स्थलों का आकस्मिक निरीक्षण किया।चकरभाठा में शुभम हरियाणी के नानक ट्रेडर्स से 28 क्विंटल और श्री कृष्णा धान भंडार से 24 क्विंटल धान जब्त किया गया। कोटा के वार्ड क्रमांक एक स्थित जय भगवान अग्रवाल की श्रीराम राइस मिल से 50.40 क्विंटल तथा ग्राम गतौरा के अमर किराना स्टोर्स से 28 क्विंटल धान की जब्ती की गई। इसी प्रकार बेलगहना में नवीन अग्रवाल के विशेष ट्रेडर्स से 24 क्विंटल, ग्राम किरारी के राम गोपाल किराना स्टोर्स से 26 क्विंटल तथा मझवानी, दारसागर स्थित जागेश्वर प्रसाद जायसवाल के पप्पू किराना स्टोर से 20 क्विंटल धान जब्त किया गया। सभी प्रकरणों में मंडी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान का अवैध कारोबार एवं अनधिकृत संग्रहण करने वाले व्यक्तियों, व्यापारियों और संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कम धान बेचने पर भी पूरे सत्यापित रकबे की मिलेगी आदान सहायता राशि

बिलासपुर। राज्य शासन ने कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन के लिए नवीन दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार किसान निर्धारित अधिकतम सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान अथवा धान बीज बेचने पर भी पूरे सत्यापित बोए गए रकबे के आधार पर आदान सहायता प्राप्त कर सकेंगे। खरीफ वर्ष 2026-27 के लिए यह राशि प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए निर्धारित की गई है। सहायता किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से एकमुश्त दी जाएगी। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार योजना प्रदेश के सभी जिलों में लागू होगी। इसका उद्देश्य खेती की लागत कम करना, उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाना, किसानों की आय में वृद्धि तथा आधुनिक कृषि तकनीकों और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। ग्रीष्मकालीन धान पर योजना लागू नहीं होगी। अन्य फसलों के प्रोत्साहन संबंधी पूर्व निर्देश यथावत रहेंगे। कम विक्रय से नहीं घटेगी आदान सहायता- आदान सहायता की गणना 3,100 रुपए और कॉमन ग्रेड धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपए प्रति क्विंटल के अंतर को 21 क्विंटल से गुणा कर की गई है। इस प्रकार प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए मिलेंगे। एक एकड़ में धान बोने वाला पात्र किसान केवल 15 क्विंटल धान बेचता है, तब भी उसे पूरी सहायता मिलेगी। इसी प्रकार 2.5 एकड़ में धान बोकर 38 क्विंटल बेचने पर 34 हजार 597 रुपए 50 पैसे और 0.8 एकड़ में 15 क्विंटल बेचने पर 11 हजार 71 रुपए 20 पैसे मिलेंगे।

ब्रजराजनगर स्टेशन में रेलवे पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के साथ नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन....



बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशानुसार रेलवे पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए 01 नवम्बर से 30 नवम्बर 2026 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान-5.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य पेंशनरों को घर बैठे अथवा सुविधाजनक स्थान पर डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें डिजिटल प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के अंतर्गत मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के पेंशन अनुभाग में सभी कार्यालयीन दिवसों, केंद्रीय चिकित्सालय बिलासपुर तथा मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निर्धारित तिथियों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 11 नवम्बर 2026 को मंडल के ब्रजराजनगर रेलवे स्टेशन पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों का आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जारी किए गए। इस अवसर पर उप मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, रायगढ़ एवं रोड मोबाइल मेडिकल वैन (ञ्चह्लह्ल) की विशेष मेडिकल टीम द्वारा पेंशनरों को स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य जांचों के साथ ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर की जांच तथा चिकित्सकीय परामर्श की नि:शुल्क सुविधा भी प्रदान की गई। शिविर में रेलवे पेंशनरों की सक्रिय सहभागिता के साथ डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जारी करने एवं स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न किया जा रहा है। यह पहल रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को सरल, सुलभ एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके प्रति सम्मान, संवेदनशीलता एवं सेवा भावना को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

त्यौहार एवं पूजा के दौरान यात्रियों की संरक्षा एवं सुगम यात्रा के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किये गये हैं व्यापक प्रबंध

- प्रमुख स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त स्टाफकी तैनाती, 24 घंटे निगरानी एवं त्वरित शिकायत निवारण की व्यवस्था

बिलासपुर। त्योहारों एवं पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। इस दौरान सभी प्रमुख स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने, यात्री सुविधाओं की उपलब्धता तथा यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष ट्रेनों के संचालन, होल्डिंग एरिया, भीड़ प्रबंधन, खानपान, टिकटिंग, जन-जागरूकता एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था – दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इस दौरान सभी फ्रंटलाइन कर्मचारी 24 घंटे सतत ड्यूटी पर तैनात रहकर यात्रियों की सहायता एवं व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं वाणिज्य विभाग की संयुक्त टीमें प्रमुख स्टेशनों पर निरंतर निगरानी कर रही हैं। यात्रियों को ट्रेनों के आगमन, प्रस्थान एवं अन्य आवश्यक जानकारियां समय पर उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) एवं डिजिटल डिस्प्ले



संकेतकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही आरपीएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमें लाउड हेलर एवं सीटी के माध्यम से यात्रियों को लगातार जागरूक करते हुए भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित कर रही हैं। 24 घंटे वार रूम से नियंत्रण – मुख्यालय में डिजिटल वार रूम की स्थापना की गई है जिसमें ट्रेनों के परिचालन एवं स्टेशनों पर भीड़ की स्थिति पर नजर रखने के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है । यात्रियों हेतु विशेष प्रबंध- सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, स्टेशनों पर किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने एवं यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा दल की तैनाती की गई है। डिजिटल एवं बेहतर टिकटिंग की सुविधा – यात्रियों को टिकट संबंधी सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क एवं अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती की गई है। व्यस्त समय में टिकट वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर तथा ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की व्यवस्था की गई है। ऑनलाइन एवं डिजिटल भुगतान हेतु टिकट काउंटर में क्यू आर कोड की सुविधा के साथ ही एम-यूटीएस एवं रेलवन एप के माध्यम से यात्रियों को प्लेटफार्म तथा प्रवेश द्वार के पास अनारक्षित टिकटिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है ।

हड़ताल पर गए 229 पटवारियों का ब्रेक इन सर्विस,102 का वेतन रोका

बिलासपुर। जिले में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए पटवारियों के विरुद्ध जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। हड़ताल पर चल रहे 229 पटवारियों की हड़ताल अवधि को 'ब्रेक इन सर्विस' किया गया है। सभी 229 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं। इसके अलावा 8 पटवारियों को निलंबित किया गया है तथा एक पटवारी के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्रवाई की गई है। 'काम नहीं तो वेतन नहीं' के आधार पर 102 पटवारियों का वेतन रोका गया है। कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के पटवारी प्रांतीय आह्वान पर 13 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। जिले में पटवारियों के कुल 248 पद स्वीकृत हैं और सभी पद भरे हुए हैं। इनमें कोई प्रशिक्षु पटवारी नहीं है। 12 नवंबर की स्थिति में 229 पटवारी हड़ताल पर हैं, जबकि 4 पटवारी कार्यरत हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की ओर से जिले में की गई कार्रवाई का विवरण आयुक्त भू-अभिलेख, छत्तीसगढ़ को भेजा गया है। इसमें हड़ताल की अद्यतन स्थिति, कारण बताओ नोटिस, निलंबन, विभागीय जांच, ब्रेक इन सर्विस तथा वेतन रोकने संबंधी जानकारी दी गई है।पटवारियों की लंबी हड़ताल के बीच राजस्व सेवाओं की निरंतरता किसानों और आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है।

गुलाबी मौसम में जरा बच के...



मौसमी बदलाव की आहट आ चुकी है। सुबह-शाम ठंड और प्रदूषण वाली हल्की धुंध भी असर दिखाने लगी है। इसके साथ ही शुरू हो गई हैं सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं। लापरवाही के चलते किसी को सर्दी-जुकाम या चेस्ट कंजेशन जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो कुछ लोग ठंड की वजह से जॉगिंग बंद करने से परेशान हैं। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस बदलते मौसम में फिट रख सकती है

घर पर करें वॉर्मअप

अगर आपको डायबीटीज, अस्थमा या दिल की बीमारी है तो सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय कोहरे के साथ प्रदूषण मिलकर पूरे वातावरण में फैल जाता है। इस दौरान बाहर निकलने से सांस के जरिए प्रदूषण फेफड़ों तक पहुंचकर कंजेशन बढ़ा सकता है।



इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है या अस्थमा का अटैक आने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में या तो धूप खिलने और आसमान साफ होने के बाद जॉगिंग या एक्सरसाइज के लिए बाहर निकलें या घर में ही एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस मौसम में दो तरह की एक्सरसाइज आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

1. कॉर्डियोवेस्कुलर वर्कआउट

सर्दियों में शरीर में जमने वाले एक्स्ट्रा फैट का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है। एम्स में मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रफेसर डॉ. ए.बी. डे का कहना है कि यह फैट दिल की धड़कनों पर बुरा असर डालता है। ऐसे में दिल से जुड़ी बीमारियों की आशंका इस मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। वजन बढ़ने की समस्या भी इसी मौसम में ज्यादा होती है। इस तरह की परेशानी से निबटने के लिए आप घर पर ही कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग से जुड़ी आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसमें आपको 20 मिनट या इससे थोड़ा ज्यादा समय तक ऐसे व्यायाम करने होंगे, जो आपके दिल की धड़कनों को सामान्य से काफी तेज कर दें। घर पर आजमाई जाने वाली कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग के तहत अपनी जगह पर ही खड़े होकर जॉगिंग कर सकते हैं, रस्सी कूद सकते हैं, लगातार 20 से 25 बार उछल सकते हैं, घर की सीढ़ियों पर दो-तीन बार तेजी से ऊपर-नीचे कर सकते हैं। आप इनमें से हर एक को आजमा सकते हैं। हर तरह की एक्सरसाइज को 5-5 मिनट के लिए किया जा सकता है। ये तरीके आपके बाहर निकलने की परेशानी को भी दूर कर देंगे, साथ ही आपके दिल को हमेशा जवां रखेंगे।

2. मांसपेशियों व जोड़ों से जुड़ा वर्कआउट

सर्दियों में मांसपेशियों का जकड़ जाना भी आम समस्या है। इसके अलावा, इस मौसम में जोड़ों के दर्द की परेशानी भी देखने को मिलती है। इसके लिए घर पर ही कुछ खास तरह की एक्सरसाइज के जरिए इन्हें दूर किया जा सकता है। मांसपेशियों के जकड़ जाने पर उन्हें व्यायाम के जरिए ही आराम पहुंचाया जा सकता है। पुशअप और पुलअप मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने का आसान तरीका है। इसके लिए कहीं भी बाहर निकलने की जरूरत नहीं है। इसके साथ घर पर ही एक्सरसाइज के कुछ खास उपकरणों के जरिए भी मांसपेशियों की जकड़न को दूर किया जा सकता है। डंबल से वॉर्मअप किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए आपको व्यायाम के लिए अलग से वक्त भी नहीं निकालना है। काम करते हुए भी कुछ मिनट का ब्रेक लें और बैठे-बैठे ही हाथ और पैरों के जोड़ को घुमाते रहें।

अपनाएं ये टिप्स

- कपड़ों का खास ध्यान रखें, अगर सुबह बाहर निकलते हैं तो गर्म कपड़े साथ रखें ताकि ठंड लगने पर उनका इस्तेमाल कर सकें।
- सुबह देर से घर से निकलने वाले अक्सर लापरवाही का शिकार होते हैं। देर शाम घर लौटते वक्त मौसम ठंडा हो जाता है, लेकिन दिन की गर्मी देखकर आप गर्म कपड़े आपने साथ नहीं रखते। ऐसी गलती न करें।
- अगर डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर या अस्थमा जैसी समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर मौजूदा मौसम के हिसाब से दवाओं के डोज आदि की जानकारी लें और दवाएं नियमित लें।
- बाइक चलाते वक्त विंड शीटर और मफलर का इस्तेमाल करें, क्योंकि सीने और नाक-कान के जरिए ठंडी हवा शरीर तक पहुंचने से समस्या बढ़ती है।
- बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता युवा लोगों के मुकाबले कम होती है।
- ठंड में आपको प्यास का अहसास कम होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके शरीर को कम पानी की जरूरत होती है। ठंड में भी खूब सारा पानी पिएं।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। वायरल बेहद संक्रामक होता है। साफ-सफाई में हल्की-सी लापरवाही होने पर भी यह तेजी से एक-दूसरे तक फैलता है।



कैसा हो भोजन

भोजन हमारी मूल आवश्यकता है। इसके बगैर अधिक दिनों तक जीवित नहीं रहा जा सकता है, लेकिन वह कब, कैसे और कितना करना चाहिए, इस बारे में आमजनों को जानकारी नहीं है। परिणामस्वरूप उन्हें अपच, गैस, एसिडिटी कब्ज आदि की शिकायत होने लगती है। भोजन ऐसा हो जो शरीरी को पोषण प्रदान करें।

भोजन ऐसा हो जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्वों का समावेश हो यानी प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, खनिज, लवन तथा रेशा। भोजन में सलाद का होना जरूरी है, जिसमें ककड़ी, टमाटर, प्याज, चुकंदर, पतागोभी, मूली, गाजर आदि हो।

भोजन में हरी पतेदार सब्जियां अवश्य हो जैसे पालक, मेथी, बथुआ, मूली आदि इसके अलावा मौसमी सब्जियां, जैसे गिलकी, तुरई, भिंडी, पता गोभी, फूल गोभी, लौकी, कद्दू, गवारफली, मटर, टिंडा, हरा चना, आलू, अरबी आदि।

दालों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें, जिसमें मूंग, तुअर, चना, मसूर की दाल शामिल है। उड़द की दाल का सेवन कम करें।



कब न करें

जब मन खिन्न, उदास हो
जब किसी की बीमारी या मौत का सदमा लगा हो
जब आप गुस्से और तनाव में हों
जब आपके घर में पारिवारिक कलह मच रहा हो
जब भूख न हो।

कैसे करें

जल्दबाजी में नहीं, धैर्यपूर्वक करें
खड़े होकर नहीं, बैठकर भोजन करें
भोजन को ठीक से चबाकर करना चाहिए
भोजन के दौरान अधिक बतियाएं नहीं
भोजन करते समय अपना टीवी, मोबाइल फोन बंद रखें
भोजन करते समय अखबार या पत्रिकाएं न पढ़ें
भोजन को शांतभाव और प्रसन्नवित होकर करना चाहिए
एक हाथ से भोजन करें, दोनों हाथ जूठे करना ठीक नहीं
लेटे-लेटे भोजन करने की प्रवृति ठीक नहीं।
भोजन के पहले यह करें
हाथ, मुंह और पैर अच्छे से धोएं
सुविधाजनक कपड़े पहनें
यदि भोजन के पहले कोई दवा गोली लेना हो तो वह लें
यदि शौच की हाजत लगे तो निवृत हो लें
भोजन से ठीक पहले यह न करें
चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें
डटकर पानी न पिएं।

कितना करें

भूख से थोड़ा कम खए

भोजन की जरूरत शारीरिक श्रम के अनुसार कम अधिक हो सकती हैं।

बढ़ती आयु के किशोरों को अधिक तथा प्रौढों व वृद्धों को कम भोजन की आवश्यकता होती है।

कितना ही पसंदीदा भोजन क्यों न हो जरूरत से ज्यादा न करें

खाने के लिए जीने की बजाय जीने के लिए खाने का सिद्धांत अपनाएं

सप्ताह में एक दिन उपवास रखें

सर्दियों में पाचन क्रिया तेज रहती है, लेकिन गर्मी व बारिश में मंद पड़ जाती है

भोजन करने के दौरान किसी अप्रिय प्रसंग को न छेड़ें
भोजन जैसा भी बना हो उसे स्वीकार करें
भोजन के दौरान उतेजित न हों
थाली को छोड़कर कोई काम निपटाने न जाएं

भोजन के बाद यह करें

मूत्र त्याग के लिए जाएं
दिन के भोजन के बाद 20 मिनट विश्राम करें
रात्रि भोजन के बाद 100 कदम टहले
भोजन के एक घंटे बाद पानी पिएं

भोजन के बाद यह न करें

भोजन के तुरंत बाद ढेर सारा पानी न पिएं
भोजन के तुरंत बाद कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, आइस्क्रीम आदि का सेवन न करें।
भोजन के तुरंत बाद अधिक परिश्रम वाले कार्य न करें
भोजन करते ही शौच के लिए न जाएं
भोजन के तुरंत बाद कसरत या व्यायाम वर्जित है।

कंप्यूटर पर काम करते वक्त

आंखों को दें थोड़ा आराम



आज कंप्यूटर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। हर काम हमें कंप्यूटर पर ही करना होता है। लेकिन, कंप्यूटर पर लगातार काम करते रहने का असर हमारी आंखों पर पड़ता है। इसकी वजह से कई बार हमारी आंखें लाल और थकी हुई लगती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों की रोशनी पर भी प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि कंप्यूटर पर काम करते समय हम उसकी ब्राइटनेस को अडजस्ट करें, जिससे उसका ज्यादा असर हमारी आंखों पर न हो। आइए आज हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप अपनी आंखों का ख्याल रख सकते हैं-

आंखों के लिए लें ब्रेक - कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार नजरें गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी दबाव पड़ता है। तो इसके लिए जरूरी है कि आप थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेते रहें। कुछ देर के लिए अपनी नजरें कंप्यूटर से हटाकर दूर किसी चीज पर केंद्रित करें या फिर आप यूं ही कुछ देर के लिए अपनी सीट से उठकर घूमने जा सकते हैं। यह प्रॉसेस 20-30 मिनट के अंतराल पर कीजिए।

पलकें झपकाते रहें- पलकों को लगातार झपकाते रहना आंखों को तरो-ताजा बनाए रखने और उस पर पड़ने वाले दबाव को कम करने का कारगर तरीका है। कंप्यूटर पर काम करने वालों को हर तीन-चार सेकेंड में अपनी पलकों को झपकाते रहना चाहिए। दरअसल हमारी आंखों में एक द्रव्य होता है, जो पलकों के झपकाने से बनता है। लेकिन अगर आप बिना पलक झपकाए काम करते रहेंगे तो यह द्रव्य सूख सकता है और इससे आंखों की रोशनी जा सकती है।

कंट्रास्ट कम करना रहेगा बेहतर- अगर आपकी आंखों पर बहुत ज्यादा जोर पड़ रहा है, तो एक बार अपने कंप्यूटर की ब्राइटनेस और कॉन्ट्रास्ट को भी अडजस्ट करके देखिए। इससे भी आपकी आंखों को फायदा होगा। कंप्यूटर की ब्राइटनेस न तो ज्यादा और न ही कम रखें।

कंप्यूटर फ्रेंडली बनें - ध्यान रखना होगा कि वर्कप्लेस पर रोशनी पर्याप्त है या नहीं। आपको एसी के नीचे बैठने से बचना चाहिए क्योंकि इससे आंखों की नमी कम हो सकती है और आंखें रूखी हो सकती हैं।

इन्हें आजमाएं, कब्जियत दूर करें

हर एक रोगी आहार-विहार में असंयम के कारण कब्ज का शिकार होता है। कब्ज से ही दुनिया-भर की बीमारियाँ होती हैं। अपना आहार विहार सुसंयमित कर लें तो कभी कोई बीमारी नहीं होगी। असंयम के कारण कभी कोई रोग हो भी जाये तो प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उसका धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। ऐसा कोई रोग नहीं जो प्राकृतिक चिकित्सा से अच्छा नहीं किया जा सकता हो। प्राकृतिक चिकित्सा प्राणीमात्र के लिए वरदान है। अत- पहले संयम से रहकर कब्ज मिटाइए।



पहला प्रयोग - रात का रखा हुआ सवा लीटर पानी हर रोज सुबह सूर्योदय से पूर्व बासी मुँह पीने से कभी कब्जियत नहीं होगी तथा अन्य रोगों से सुरक्षा होगी।

दूसरा प्रयोग- रात्रि में पानी के साथ 2 से 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण का सेवन करने से अथवा 3-4 तोला (40-50 ग्राम) मुनक्का (काली द्राक्ष) को रात्रि में ठण्डे पानी में भीगोकर सुबह उन्हें मसलकर, छानकर थोड़े दिन पीने से कब्जियत मिटती है।

तीसरा प्रयोग- एक हरड़ खाने अथवा 2 से 5 ग्राम हरड़ के चूर्ण को गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज मिटती है।

चौथी प्रयोग - गुडुच का सेवन लंबे समय तक करने से कब्ज के रोगी को लाभ होता है।

पाँचवाँ प्रयोग कड़ा मल होने व गुदाविकार की तकलीफ में जात्यादि तेल या मलहम को शौच जाने के बाद अंगुली से गुदा पर लगायें। इससे 7 दिन में ही रोग ठीक हो जायगा। साथ में पाचन ठीक से हो ऐसा ही आहार लें। छोटी हरड़ चबाकर खायें।

छठा प्रयोग- एक गिलास सादे पानी में एक नींबू का रस एवं दो-तीन चम्मच शहद डालकर पीने कब्ज मिट जाता है।

सातवाँ प्रयोग- एक चम्मच सौंफ का चूर्ण और 2-3 चम्मच गुलकन्द प्रतिदिन दोपहर के भोजन के कुछ समय पश्चात् लेने से कब्ज दूर होने में सहायता मिलती है।

सावधानी - कब्ज सब रोगों का मूल है। अत- पेट को सदैव साफ रखना चाहिए। रात को देर से कुछ भी न खायें तथा भोजन के बाद दो घंटे तक न सोयें। मैदे से बनी वस्तुएँ एवं दही अधिक न खायें।

मांगें पूरी नहीं हुईं तो हाईकोर्ट में रिट याचिका की तैयारी

छात्रावासों की व्यवस्था, छात्रवृत्ति, भोजन और वित्तीय खर्चों का मांगा जाएगा हिसाब

बलरामपुर। जिले के आदिवासी विकास विभाग में प्रशासनिक नियमों के पालन और जवाबदेही को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सहायक आयुक्त के महत्वपूर्ण पद पर लंबे समय से जारी प्रभारी व्यवस्था को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने अब मोर्चा खोल दिया है। समाज ने सहायक आयुक्त समीक्षा जायसवाल को प्रभारी पद से हटाकर विभागीय नियमों के अनुरूप नियमित एवं पात्र अधिकारी की नियुक्ति करने की मांग की है। वहीं, अब इस मामले में RTI कार्यकर्ता भी सक्रिय होने की तैयारी में हैं। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत विभागीय दस्तावेजों और अभिलेखों की जानकारी जुटाकर कथित अनियमितताओं को उजागर करने की बात कही जा रही है।

छह माह की समय-सीमा के बाद भी प्रभारी व्यवस्था क्यों ?

सर्व आदिवासी समाज ने सवाल उठाया है कि जब सामान्य प्रशासन विभाग के 24 जुलाई 2010 के परिपत्र का हवाला देते हुए प्रभारी व्यवस्था के लिए छह माह की समय-सीमा का मुद्दा उठाया जा रहा है, तो फिर निर्धारित अवधि के बाद भी महत्वपूर्ण पद पर प्रभारी व्यवस्था किस प्रशासनिक आधार पर जारी है? क्या संबंधित आदेशों की वैधानिकता की समीक्षा की गई है? यदि की गई है तो उसका आधार क्या है और इसकी जवाबदेही किस अधिकारी की है? समाज ने कलेक्टर बलरामपुर एवं आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।



छात्रावासों की शिकायतों ने बढ़ाई चिंता

मामला केवल प्रभारी व्यवस्था तक सीमित नहीं है। समाज ने जिले के आदिवासी छात्रावासों की व्यवस्थाओं को लेकर भी गंभीर शिकायतें उठाई हैं। ज्ञापन में विद्यार्थियों को बिना अनुमति छात्रावास से बाहर ले जाने, भोजन व्यवस्था, छात्रवृत्ति और बच्चों के साथ कथित मारपीट जैसी शिकायतों का उल्लेख किया गया है। सवाल यह है कि छात्रावासों में बच्चों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की निगरानी की जिम्मेदारी किसकी है?

15 दिन का अल्टीमेटम, फिर हाईकोर्ट का दरवाजा

सर्व आदिवासी समाज ने प्रशासन को 15 दिन का समय देते हुए मांग की है कि समीक्षा जायसवाल को प्रभारी सहायक आयुक्त के पद से मुक्त किया जाए और विभागीय नियमों के अनुरूप नियमित एवं पात्र अधिकारी की नियुक्ति की जाए। साथ ही प्रभारी व्यवस्था से संबंधित आदेशों की वैधानिकता की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। समाज ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा में मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर की जाएगी। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जनजाति आयोग में भी शिकायत प्रस्तुत की जाएगी।

अब प्रशासन की जवाबदेही पर टिकी निगाहें

इस पूरे मामले में अब जिला प्रशासन के सामने कई सवाल खड़े हैं। क्या छह माह की समय-सीमा से संबंधित नियमों और आदेशों की समीक्षा होगी? क्या प्रभारी व्यवस्था जारी रखने का प्रशासनिक आधार सार्वजनिक किया जाएगा? क्या छात्रावासों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच होगी? और क्या RTI के माध्यम से मांगे जाने वाले दस्तावेजों के आधार पर विभागीय जवाबदेही तय होगी? आदिवासी विकास विभाग जैसे संवेदनशील विभाग में पारदर्शिता, नियमों का पालन और बच्चों के हितों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अब यह मामला केवल ज्ञापन तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि सूचना के अधिकार और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दस्तावेजी जवाबदेही तय करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अब सवाल सिर्फ प्रभारी अधिकारी की पदस्थापना का नहीं, बल्कि पूरे विभागीय सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही का है।

RTI कार्यकर्ता खोलेंगे विभागीय फाइलों की परतें

अब इस पूरे मामले में सूचना के अधिकार के माध्यम से भी विभागीय जवाबदेही तय करने की तैयारी है। RTI कार्यकर्ता सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत आदिवासी विकास विभाग से महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां मांगेंगे। इसके तहत सहायक आयुक्त की प्रभारी नियुक्ति एवं पदस्थापना के आदेश, विभागीय पत्राचार, शासन के दिशा-निर्देश, छह माह की समय-सीमा से संबंधित परिपत्र, नियमित नियुक्ति के लिए निर्धारित पात्रता और प्रभारी व्यवस्था को जारी रखने के प्रशासनिक कारणों की जानकारी मांगी जाएगी। इसके साथ ही छात्रावासों में भोजन एवं राशन खरीदी, बजट आवंटन, वित्तीय व्यय, छात्रवृत्ति वितरण, निरीक्षण रिपोर्ट, शिकायत रजिस्टर और शिकायतों पर की गई कार्रवाई से संबंधित अभिलेख भी सूचना के अधिकार के दायरे में लाए जाएंगे। RTI कार्यकर्ताओं का उद्देश्य सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह स्पष्ट करना होगा कि विभाग में नियमों का पालन किस स्तर तक हुआ है और जहां कहीं अनियमितता सामने आती है, वहां किस अधिकारी या कर्मचारी की जवाबदेही बनती है। दस्तावेजों में किसी प्रकार की गड़बड़ी या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलने पर संबंधित सक्षम अधिकारियों और आयोग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करने की तैयारी है।

खबरें



गोवर्धन पूजा पर महिलाओं ने निभाई परंपरा, गोधन कूटकर भाई की सुख-समृद्धि की कामना की

रामानुजगंज। भाई दूज के अवसर पर नगर के विभिन्न मोहल्लों में महिलाओं एवं युवतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ गोधन कूटने की रस्म निभाई। इस दौरान मोहल्ले एवं आसपास की महिलाएं और युवतियां एकत्रित हुईं तथा सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर परंपरा का निर्वहन किया। मान्यता के अनुसार भाई दूज के अवसर पर महिलाएं अपने भाइयों के जीवन में आने वाले कष्टों और बाधाओं को दूर करने तथा उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना करती हैं। इसी परंपरा के तहत लकड़ी के गट्टे से मिट्टी से बनाया गया कई आकृतियों को प्रतीकात्मक रूप से भाई के शत्रुओं का प्रतीक मानकर सभी महिलाएं और युवतियां मिलकर उसे कूटती हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस रस्म के माध्यम से भाई के जीवन से संकटों और शत्रुओं का नाश होता है। इस दौरान महिलाओं एवं युवतियों ने पारंपरिक लोकरीति निभाते हुए कथा, पूजन, गीत गाते हुए आपसी सहभागिता के साथ मनाया गया।



छठ व्रतियों के लिए समाजसेवी अंकित गुप्ता ने किया आम की लकड़ी का वितरण, लिया आशीर्वाद

रामानुजगंज। छठ महापर्व के पावन अवसर पर समाजसेवी अंकित गुप्ता द्वारा छठ व्रतियों की सुविधा एवं सेवा के उद्देश्य से आम की लकड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात छठ व्रतियों एवं उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और श्रद्धापूर्वक आम की लकड़ी का वितरण किया। इस अवसर पर समाजसेवी अंकित गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता, प्रकृति और लोककल्याण का प्रतीक है।

इस पावन पर्व पर छठ व्रतियों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य और आत्मिक संतोष का विषय है। उन्होंने सभी छठ व्रतियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए भगवान सूर्य से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में अंकित गुप्ता की पत्नी प्रियंका गुप्ता, वार्ड पार्षद पवन गुप्ता, पार्षद सुमित गुप्ता, पार्षद विकास गुप्ता, राम मंदिर के पुजारी यशपाल दुबे, समाजसेवी विकास दुबे, मनोज तिवारी, उज्ज्वल तिवारी, विष्णु पांडे एवं लोक प्रसिद्ध गायक पवन पाण्डेय सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी की सहभागिता एवं सहयोग से लकड़ी वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ग्राम सनावल में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने मनाई दीपावली, दो दिनों तक क्षेत्रवासियों से की मुलाकात

सनावल। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री एवं रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामविचार नेताम ने दीपावली का पर्व अपने गृह क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने दो दिनों तक अपने गृह क्षेत्र में रहकर समाज के सभी वर्गों के लोगों से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मंत्री रामविचार नेताम ने क्षेत्र के युवाओं, किसानों, महिलाओं, आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, क्षेत्र में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने सभी का आदरपूर्वक स्वागत करते हुए दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के पत्रकारों से भी विशेष रूप से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उपहार भेंट किए। इसके साथ ही पत्रकारों एवं समाजसेवियों तक भी शुभकामना संदेश और उपहार पहुंचाए गए। मंत्री के इस आत्मीय व्यवहार से क्षेत्रवासियों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। लोगों ने कहा कि जनप्रतिनिधि का स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर त्योहार की खुशियां साझा करना और सभी को सम्मान देना आपसी संबंधों को और मजबूत बनाता है। दीपावली के अवसर पर मंत्री रामविचार नेताम का अपने गृह क्षेत्र में दो दिनों तक प्रवास और विभिन्न वर्गों के लोगों से सीधा संवाद चर्चा का विषय रहा।



राधाकृष्ण मंदिर चौक में अन्नकूट महोत्सव की धूम, महाभंडारे में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

सरसींवा। दीपावली पर्व के संपन्न होने के साथ ही अंचल में अन्नकूट की आध्यात्मिक छटा देखते ही बन रही है। इसी कड़ी में गत 10 नवंबर को दुर्गोत्सव समिति, राधाकृष्ण मंदिर चौक, सरसींवा के तत्वावधान में अन्नकूट के पावन अवसर पर एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस पुनीत आयोजन में नगरवासियों के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन की शुरुआत राधाकृष्ण मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भगवान को विधि-विधान से भोग अर्पित करने के साथ हुई। महाआरती संपन्न होने के पश्चात भंडारे का शुभारंभ किया गया। समिति के सदस्यों और स्वयंसेवकों द्वारा प्रसाद वितरण की इतनी सुचारू व्यवस्था की गई थी कि भारी भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। इस महाभंडारे की सबसे खूबसूरत तस्वीर यह रही कि यहाँ छोटे-बड़े और अमीर-गरीब का भेद मिटाकर सभी ने एक ही पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। यह दृश्य समाज में आपसी समरसता, एकजुटता और भाईचारे का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा था। देर शाम तक अनवरत चले इस भंडारे में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूरा चौक भगवान के भजन कीर्तन के साथ जयकारों से गुंजायमान रहा। आयोजन को निर्विघ्न और सफल बनाने में दुर्गोत्सव समिति के युवा सदस्यों और पदाधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई।



नगर पंचायत भटगांव के अन्नकूट के पावन अवसर पर एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस पुनीत आयोजन में नगरवासियों के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया।

नगर पंचायत भटगांव के अन्नकूट के पावन अवसर पर एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस पुनीत आयोजन में नगरवासियों के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया।

नगर पंचायत भटगांव में गोवर्धन पूजा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया

- नन्हे कान्हा ने सबका मन मोहा, गौ माता की पूजा कर खिलाये अन्न व मिठाई

भटगांव। गर पंचायत भटगांव में गोवर्धन पूजा इस बार बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाई गई। जहाँ सावित्री सदन प्रज्ञा कुंज में हुई विशेष पूजा में पूरा परिवार शामिल हुआ, जहां नन्हे कान्हा ने सबका मन मोह लिया। भटगांव नगर पंचायत क्षेत्र में गोवर्धन पूजा का पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर में गोवर्धन महाराज की पूजा हुई, गौ माता की पूजा-अर्चना की गई और अन्नकूट का भोग लगाया गया। सावित्री सदन प्रज्ञा कुंज में आयोजित विशेष पूजा में परिवार के सभी सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान परिवार





सावित्री सदन प्रज्ञा कुंज में हुई विशेष पूजा, पूरा परिवार शामिल

सदस्य मयंक (प्रखर) पटेल को भगवान श्रीकृष्ण के रूप में सजाया गया,जिसके मोर पंख, मुकुट और पीतांबर धारण कर सबका ध्यान खींचा। पूजा के दौरान गौ माता को फूल-मालाओं से सजाया गया, आरती उतारी गई और गोवर्धन पूजा की परंपरा को निभाया गया। पूरे घर में भक्ति और उत्सव का माहौल देखने को मिला।

वहीं इस पर्व पर परिवार के मुखिया पुरुषोत्तम पटेल ने गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति और गौ सेवा का प्रतीक बताया और कहा कि हमने पूरे परिवार के साथ मिलकर पूजा की, बच्चों को भी इस परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया। वहीं गोवर्धन पूजा ने एक बार फिर भटगांव में आस्था, परंपरा और परिवार के एकजुट होने का संदेश दिया।

ड्राइवरों का अनिश्चितकालीन 'स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन



किरंदुल। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ड्राइवरों ने 12 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। ऑल इंडिया ड्राइवर संयुक्त कमेटी एवं बैलाडीला ड्राइवर्स संगठन, किरंदुल की ओर से जारी अपील में सभी ड्राइवर साथियों से आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया गया है। जारी अपील के अनुसार, ड्राइवरों का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर इंतजार किया, लेकिन अब अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का समय आ गया है।

ड्राइवरों की प्रमुख मांगें: ड्राइवर आयोग एवं ड्राइवर कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए। प्रत्येक ड्राइवर को 20 लाख रुपये का बीमा दिया जाए।60 वर्ष की उम्र के बाद ड्राइवरों को पेंशन की सुविधा मिले।1 सितंबर को राष्ट्रीय ड्राइवर दिवस घोषित कर सरकारी छुट्टी दी जाए।संगठन की अपील में कहा गया है कि यह आंदोलन केवल एक दिन का नहीं है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक ड्राइवर अपनी गाड़ियां खड़ी रखेंगे और स्टेयरिंग नहीं संभालेंगे।

कुपोषित बच्चों की पहचान और बेहतर उपचार के लिए 12 एवं 13 नवंबर को विशेष स्वास्थ्य शिविर

सारंगढ़-बिलाईगढ। त्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने और बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर मती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार कुपोषित बच्चों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक उपचार के लिए जिले में दो दिवसीय विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सारंगढ़- बिलाईगढ़ द्वारा जारी ड्यूटी आदेश के अनुसार शिविर 12 एवं 13 नवंबर 2026 को लगाए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर, गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला और 13 नवंबर, शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में शिविर आयोजित होगा। दोनों स्थानों पर शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित तिथि पर शिविर का सफल संचालन सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य टीम को समय पर शिविर स्थल तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा विशेषज्ञ, स्टाफ नर्स, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। स्वास्थ्य टीम बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराएगी। कुपोषण की स्थिति का आकलन कर जरूरतमंद बच्चों की पहचान की जाएगी। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को उचित स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने और उनके उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के साथ प्रेस क्लब ने किए मां चंद्रहासिनी के दर्शन

बलौदाबाजार। जिला प्रेस क्लब बलौदाबाजार ने भाई दूज के पावन अवसर पर दीपावली मिलन समारोह के तहत सक्ती जिले के चंद्रपुर स्थित प्रसिद्ध मां चंद्रहासिनी देवी एवं मां नाथल दाई मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। प्रेस क्लब के सदस्यों ने माता रानी के दरबार में मत्था टेकते हुए समस्त क्षेत्रवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए कामना की। प्रेस क्लब के सदस्य सुबह भोर में ही चंद्रपुर के लिए रवाना हुए और दोपहर में महानदी, मांड व लात नदी के त्रिवेणी संगम में नौका विहार का आनंद लेते हुए मंदिर पहुंचे। मां चंद्रहासिनी के दर्शन किए और इसके बाद नदी पार कर टापू पर स्थित छोटी बहन मानी जाने वाली मां नाथल दाई मंदिर की परिक्रमा कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी ने कहा कि राजा चंद्रहास द्वारा स्थापित यह शक्तिपीठ अत्यंत वैभवशाली और चमत्कारी है।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ होगी। धान खरीदी की तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने विभिन्न धान उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए शेष तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने तथा धान खरीदी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। जिले में कुल 102 समितियों के अंतर्गत 134 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने अकलतरा स्थित संग्रहण केंद्र में फड़ निर्माण, समतलीकरण, पानी की निकासी एवं ड्रेनेज, धर्मकांटा तथा भंडारित धान के उचित रखरखाव का जायजा लिया। उन्होंने संग्रहण केंद्र में धान के सुरक्षित भंडारण के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने तिलई, अकलतरा, भिलौनी एवं मेऊ धान उपार्जन केंद्रों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति प्रभारियों, कंप्यूटर ऑपरेटरों, प्राधिकृत अधिकारियों एवं किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में ड्रेनेज, पर्याप्त बारदानों, इंटरनेट कनेक्टिविटी, कंप्यूटर, तिरपाल एवं हमालों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही साफ-सफाई, फेंसिंग, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक उपकरण, पेयजल, छायादार बैठने की व्यवस्था, शौचालय एवं प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। कलेक्टर ने समिति प्रभारियों को किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को टोकन जारी करने में किसी प्रकार की बाधा या अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। धान खरीदी की प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित की जाए।



उन्होंने अवैध धान की आवक रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकपोस्ट स्थापित करने तथा कोचियों एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

नगर से लेकर गांवों तक अवैध महुआ और देशी-विदेशी शराब की बिक्री

नगर पंचायत भटगांव एवं अंचल में अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा

भटगांव। भटगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत, आसपास के ग्रामीण अंचलों में अवैध महुआ शराब, देशी शराब एवं विभिन्न ब्रांड की शराब की अवैध बिक्री का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। शराब दुकान से कोचियों को मिल रहा है गांव गली मोहल्ला ढाबे में बेचने के लिए अनेकों प्रकार की देशी विदेशी ब्रांडेड शराब कोचियों द्वारा धड़ल्ले से बेचा जा रहा है. नगर के कई मोहल्लों से लेकर गांव-गांव तक अवैध शराब की बिक्री होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाने के कारण शराब बेचने वाले कोचियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। भटगांव थाना को सूचित करने के बौजूद



कोई ठोस कार्यवाही नही किया जाता और आबकारी विभाग तो गहरे नींद मे सोये हुए हुए. आपको बता दे कि नगर के कई मोहल्लों में सुबह से लेकर देर रात तक अवैध शराब की बिक्री का सिलसिला जारी रहता है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह कारोबार तेजी से फैल रहा है। इसका असर समाज के साथ-साथ कम उम्र के बच्चों और युवाओं पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इसके बावजूद आबकारी विभाग की कार्रवाई और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि कुछ शराब कोचियों को कथित रूप से संरक्षण मिलने के कारण उनका कारोबार बेखौफ संचालित हो रहा है। वहीं सूत्रों के हवाले से यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि अवैध शराब बेचने वालों से कथित तौर पर अवैध वसूली की जाती है। आरोप है कि रकम नहीं देने वाले कोचियों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, जबकि अन्य लोगों को खुलेआम कारोबार करने का अवसर मिल जाता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, तो जिम्मेदार विभाग द्वारा नियमित जांच और प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? क्या मुख्यालय में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है, या फिर शिकायतों के बावजूद कार्रवाई में ढिलाई बरती जा रही है? स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी आबकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से गांवों और नगर में अवैध शराब की बिक्री के संबंध में सवाल किया जाता है, तो अक्सर बल की कमी का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि विभाग के पास पर्याप्त अमला नहीं है, तो इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों से अतिरिक्त बल की मांग क्यों नहीं की जा रही है?

अवैध शराब कारोबार की निष्पक्ष जांच

अब जरूरत है कि जिला आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए बिलाईगढ़ अनुभाग के नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित अवैध शराब कारोबार की निष्पक्ष जांच कराएं। साथ ही कथित अवैध वसूली और विभागीय मिलीभगत के आरोपों की भी जांच हो, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। वहीं भटगांव थाना क्षेत्र मे जुआ, अवैध शराब एवं गांजे की पुड़िया की बिक्री का ग्राफलगातार बढ़ते जा रहा है जहाँ भटगांव पुलिस अंकुश लगाने मे असमर्थ है. होटल एवं ढाबा मे तो आम बात हो गई है. भटगांव के गली मोहल्ले के साथ जमगहन पेट्रोल पंप के पास, देवसागर मोड़ के पास, चुरेला सहित कई स्थानों मे अवैध शराब बिक्री के साथ कई अवैध गतिविधियां संचालित है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com